यूनिट 2

# चैंपियन्स

## आत्मा के फल से

अध्यापकों की पुस्तक

हर उम्र के लिए (4–15 तक की आयु)

# प्रिय शिक्षकों,

हम प्रार्थना करते हैं कि परमेश्वर आपको आशीष दें जबकि आप उसकी सेवा करते और बच्चों के बीच पूरी दुनिया में सेवकाई करते हो। आप एक बदलाव ला रहे हो, साथ ही अनंतता के लिए जीवन परिवर्तित भी कर रहे हो!

हमारे पास आपके लिए एक सरप्राईज़ है। आप सोचते होंगे कि आप केवल एक संडे स्कूल शिक्षक होने के लिए चुने गये हो, लेकिन अब आपके काम का ब्यौरा बदलकर अब आप एक 'कोच' (अनुशिक्षक) बन गये हो! यह बिल्कुल सही है, इस साल हम बाइबल को एक 'मुक्केबाजी' के शीर्षक के अंतर्गत पढ़ेंगे और साथ ही खेल के साथ कुछ मनोरंजन भी करने की आशा करते हैं। प्रिय शिक्षक, आप अभी से शुरू करें! आप एक शिक्षक के बजाय एक अनुशिक्षक (कोच) बनें, और यह आपको अपनी कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी के विषय में गहराई से ध्यान देने और उनके चैंपियन बनने के संघर्ष की प्रगति में उनकी मदद करने के लिए प्रेरित करेगा।

हम इस वर्ष आत्मा के फल के विषय में पढ़ेंगे। हालांकि, हम केवल फल को ही नहीं देखेंगे, लेकिन हमारी देह के उन सभी पापों को भी देखेंगे जो कि आत्मा के फल के विरोध में लड़ते रहते हैं। आपका लक्ष्य है कि आप अपने विद्यार्थियों को चैंपियन बनने में मदद करें। ऐसा करने के लिए, उन्हें न केवल अपने याद करने की आयत को और बाइबल कहानियों को सीखना होगा, बल्कि उन्हें आत्मा के फल को अपने दैनिक जीवन में भी अमल करने की आवश्यकता होगी।

बॉक्सिंग या मुक्केबाजी के विषय का उपयोग करते हुए, जब आपके विद्यार्थी आपके संडे स्कूल की कक्षा में होंगे, तब हम ऐसी कल्पना करें कि वे किसी प्रशिक्षण में हैं। वे परिश्रम कर रहे हैं, और परमेश्वर के बारे में और पाप के विरूद्ध लड़ाई के विषय में अधिक सीख रहे हैं। इसलिए आपकी कलीसिया उनके लिए प्रशिक्षण स्थल है।

जब आपके विद्यार्थी इस संसार में होते हैं, तब वास्तव में वे सभी ''एक बॉक्सिंग रिंग'' के अंदर होते हैं! यहीं पर वे वास्तव में अपने स्वयं के पापमय इच्छाओं के विरूद्ध संघर्ष करते हैं। उनका घर और स्कूल, इसलिए, वास्तव में उनके प्रतियोगी होते हैं और मुक्केबाजी का मैच होता है। ऐसा इसलिए होता है कि कलीसिया में, हम सब दिखावा करने में निपुण होते हैं और सही जवाब भी देते हैं। कृपया कोई भी बच्चा यह कभी न सोचें कि कलीसिया में आयत याद करके या सीखके उसने वह मैच जीत लिया है। वह केवल प्रशिक्षण मात्र ही है। जबकि वास्तविक प्रतियोगिता उनके जीवन में ही है। वे यदि उस सप्ताह सिखाये गये पाठों को व्यवहारिक रूप से अपने जीवन में अमल करेंगे तो निश्चित रूप से वह मैच को जीत सकते हैं।

एक अनुशिक्षक होने के नाते आपका अंतिम कार्य होना चाहिए कि आप उन्हें पुरस्कृत करें और विजय हासिल करने पर उन्हें उत्साहित करें। कुछ पुरस्कारों को तैयार करों जो कि आप उन्हें जीतने पर प्रदान कर सको। उन्हें अपने गले से लगाओ या हर ''पंच'', राउंड या मैच के जीतने पर एक विशेष आवाज़ के साथ उनका उत्साह बढ़ाएं। उनके अनुशिक्षक होने के नाते, जो व्यवहार आप प्रदान करोगे वही व्यवहार आपको भी प्राप्त होगा जबकि बच्चे आपको प्रसन्न करने का प्रयास करेंगे।

हम आशा करते हैं कि एक अनुशिक्षक के रूप में अपने आप को तैयार पाकर आपको काफी अच्छा लगेगा, जहां पर आप अपनी कक्षा को एक खेल प्रशिक्षण केंद्र में सजा पाओगे, और कुछ मजेदार पुरस्कार प्रदान करने का समारोह भी कर पाओगे। आत्मा के फल के अनुसार जीने में सफलता ठीक वैसे ही मिलती है जैसे कि किसी खेल में मिलती है, और ठीक उनकी तरह जो दूसरों के मुकाबले कड़ी मेहनत करने के इच्छुक होते हैं। आप अपने विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करने और चैंपियन बनने के लिए उत्साहित कर सकते हो। आप केवल उन पर विश्वास रखें जब कोई दूसरा ऐसा नहीं कर पा रहा है, और परमेश्वर को उनके जीवन में चमत्कार करते हुए देख सकते हो!

हमारा प्रभु परमेश्वर आपको प्रेरित करें, जबकि आप अपने विद्यार्थियों को इस आत्मा के फल के विषय में अनुशिक्षित करने की चुनौती को स्वीकार करते हो। हम प्रार्थना करते हैं कि आप संडे स्कूल शिक्षकों की सीमाओं से बाहर निकलकर, अपने विद्यार्थियों के जीवन में एक वास्तविक कोच बन सको!

मसीह में,
बहन क्रिस्टीना



www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

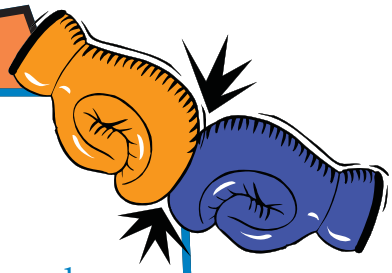

# विषय सूची


परिचय - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - 1
क्रेडिट्स - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - 2
अवलोकन - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - 3
इस सामग्री का उपयोग कैसे करें - - - - - - - - - - - - - - 5

धीरज
पाठ 1 - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - 9
पाठ 2 - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - 11
पाठ 3 - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - 13
पाठ 4 - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - 15
पाठ 5 - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - 17

कृपा
पाठ 6 - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - 19
पाठ 7 - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - 21
पाठ 8 - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - 23
पाठ 9 - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - 25

भलाई
पाठ 10 - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - 27
पाठ 11 - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - 29
पाठ 12 - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - 31
पाठ 13 - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - 33

यूनिट 3: विश्वास
नम्रता
संयम


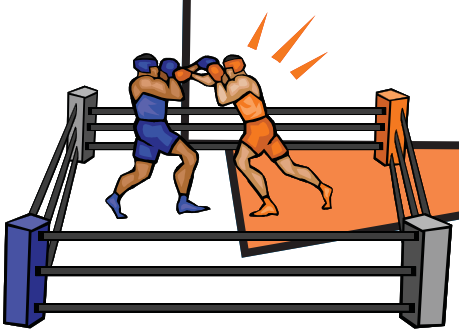

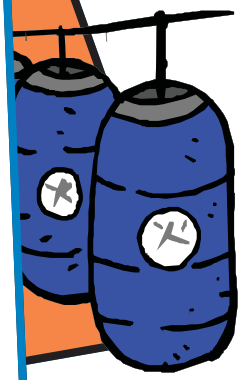


बच्चें महत्वपूर्ण है

बच्चें महत्वपूर्ण हैं

www.ChildrenAreImportant.com



"Champions" – "बच्चें महत्वपूर्ण हैं" द्वारा सभी अधिकार सुरक्षित। हमारे सामग्री डाउनलोड, उपयोग, मुद्रण और अन्य चर्च और संगठनों मे वितरण के लिए मुफ्त है।



अधिक जानकारी के लिए हमसे संपर्क करें :
info@ChildrenAreImportant.com or 01-52-592-924-9041



सभी आयतें एनआईवी से और हिंदी बीएसआई से ली गई है।

पूरी टीम को धन्यवाद!

Editor: Kristina Krauss
Creative Team of CAI: Blessy Jacob, Dwight Krauss, Jacob Kuruvilla, Jetender Singh, Marcos, Mike Kangas, Prajwal Sharma, Rubén Darío, Suki Kangas, Verónica Toj, and Vickie Kangas.

मैक्सिको में छपी।

# चैंपियंस

## यूनिट 2

धीरज

### 1 धीरज बनाम अधीर होना

*बाइबल की कहानी:* सोने का बछड़ा

निर्गमन 32

याद करने की आयत:
और उस की महिमा की शक्ति के अनुसार सब प्रकार की सामर्थ से बलवन्त होते जाओ, यहां तब कि आनन्द के साथ हर प्रकार से धीरज और सहनशीलता दिखा सको। कुलुस्सियों 1:11

### 2 धीरज बनाम कष्ट

*बाइबल की कहानी:* अय्यूब धीरज के साथ कष्ट उठाता है

अय्यूब 1–2

याद करने की आयत:
मेरे दु:ख में मुझे शान्ति उसी से हुई है, क्योंकि तेरे वचन के द्वारा मैं ने जीवन पाया है। भजन संहिता 119:50

### 3 धीरज बनाम घमंड़

*बाइबल की कहानी:* राजा नबूकदनेस्सर

दानिय्येल 4

याद करने की आयत:
किसी काम के आरम्भ से उसका अन्त उत्तम है; और धीरजवन्त पुरूष गर्वी से उत्तम है। सभोपदेशक 7:8

### 4 धीरज बनाम गुस्सा

*बाइबल की कहानी:* दाऊद, नाबाल और अबीगैल

1 शमूएल 25

याद करने की आयत:
क्रोध तो करो, पर पाप मत करो: सूर्य अस्त होने तक तुम्हारा क्रोध न रहे। इफिसियों 4:26

### 5 धीरज बनाम अधिकार

*बाइबल की कहानी:* मन्ना और बटेरें

निर्गमन 16:1–18

याद करने की आयत:
तुम भी धीरज धरो, और अपने हृदय को दृढ़ करो, क्योंकि प्रभु का शुभागमन निकट है। हे भाइयों, एक दूसरे पर दोष न लगाओ ताकि तुम दोषी न ठहरो, देखो, हाकिम द्वार पर खड़ा है। - याकूब 5:8-9

## यूनिट 2: आत्मा का फल

"पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, और कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता, और संयम हैं; ऐसे ऐसे कामों के विरोध में कोई व्यवस्था नहीं।" गलातियों 5:22–23



www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

कृपा

## 6 कृपा बनाम तुलना

*बाइबल की कहानी:* राजा शाऊल और दाऊद

1 शमूएल 18:5–16

याद करने की आयत:
पर हर एक अपने ही काम को जांच ले, और तब दूसरे के विषय में नहीं परन्तु अपने ही विषय में उसको घमण्ड करने का अवसर होगा। - गलातियों 6:4

## 7 कृपा बनाम धोखा

*बाइबल की कहानी:* पतरस यीशु का इन्कार करता है

मत्ती 26:31–35, 69–75

याद करने की आयत:
मैं निकम्मी चाल चलनेवालों के संग नहीं बैठा, और न मैं कपटियों के साथ कहीं जाऊंगा। भजन संहिता 26:4

## 8 कृपा बनाम अलगाव

*बाइबल की कहानी:* रूत और नाओमी

रूत 1:8–22

याद करने की आयत:
जिनका भला करना चाहिये, यदि तुझ में शक्ति रहे, तो उनका भला करने से न रूकना। - नीतिवचन 3:27

## 9 कृपा बनाम बैर

*बाइबल की कहानी:* एस्तेर अपने लोगों को बचाती है

एस्तेर 3–5

याद करने की आयत:
हे मेरे भाइयो; मैं आप भी तुम्हारे विषय में निश्चय जानता हूं, कि तुम भी आप ही भलाई से भरे और ईश्वरीय ज्ञान से भरपूर हो और एक दूसरे को चिता सकते हो। रोमियो 15:14

भलाई

## 10 भलाई बनाम अरूचि

*बाइबल की कहानी:* सदोम और अमोरा

उत्पत्ति 18:16–33

याद करने की आयत:
जो पड़ोसी पर कृपा नहीं करता वह सर्वशक्तिमान का भय मानना छोड़ देता है। - अय्यूब 6:14

## 11 भलाई बनाम बुराई

*बाइबल की कहानी:* हेरोदेस और यूहन्ना बपतिस्मादाता

लूका 3:18–20, मत्ती 14:1–12

याद करने की आयत:
बुराई को छोड़ और भलाई कर; मेल को ढूंढ और उसी का पीछा कर।। भजनसंहिता 34:14

## 12 भलाई बनाम स्वार्थी महत्वकांक्षा

*बाइबल की कहानी:* बेबीलोन का गुम्मट

उत्पत्ति 11:1–9

याद करने की आयत:
विरोध या झूठी बड़ाई के लिये कुछ न करो पर दीनता से एक दूसरे को अपने से अच्छा समझो। - फिलिप्पियों 2:3

## 13 भलाई बनाम अशुद्धता

*बाइबल की कहानी:* यूसुफ और पोतीपर

उत्पत्ति 39:1–21

याद करने की आयत:
इसी लिये हम सदा तुम्हारे निमित्त प्रार्थना भी करते हैं, कि हमारा परमेश्वर तुम्हें इस बुलाहट के योग्य समझे, और भलाई की हर एक इच्छा, और विश्वास के हर एक काम को सामर्थ सहित पूरा करे। 2 थिस्सलुनीकियों 1:11



www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

# इस सामग्री का उपयोग कैसे करें

## संगीत

अपनी कक्षा का आरंभ नए गीतों को गाते हुए और सभी जन उन गानों के अनुसार एक्शन करते हुए करें। गानों को हमारे वेबसाइट से डाउनलोड़ करें, और वीडियों में दिखाए गये एक्शन या कोरियोग्राफी के अनुसार मुद्राएं सीखें।

## मुख्य पाठ

पाठ का परिचय देने के बाद, आप बाइबल कहानी की ओर बढ़ें। कृपया बाइबल की आयतों को देखें ताकि पूरी बाइबल कहानी को समझ सके, क्योंकि इसे पूरी तरह से इस पुस्तिका में छापा नहीं गया है। बाइबल कहानी को सीखने के बाद, इस बात का यकीन कर लें कि आप मुख्य पाठ को जीवन में अमलीकरण के साथ जोड़ सकें। पाठ के अंत में, याद करने की आयत को पढ़ें और अपने विद्यार्थियों के साथ प्रार्थना करें।

## नाटक

हर हफ्ते एक मनोरंजक नाटक को प्रस्तुत करें, जिसमें दो अभिनेता होंगे जो दो अलग व्यक्तित्वों को प्रस्तुत करेंगेः बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी। (आप चाहे तो उनका नाम बदल भी सकते हो)। पाठ की समीक्षा करें, और नाटक के विचार को व्यक्त करते हुए पाठ के अमलीकरण के साथ मिलाएं और बच्चों की आंखों को खोलें और उन्हें स्वयं बाइबल की कहानी को देखने में मदद करें। उन दोनों अभिनेताओं को हर हफ्ते इस्तेमाल करने से उस नाटक को जीवन के साथ बेहतर तरीके से जोड़ सकते हैं, और उस साल को मनोरंजक बना सकते हैं जब वे उन बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी के चरित्र को अधिक जानेंगे। उनके लिए ऐसे वस्त्र बनाओ जिसे आसानी से चर्च में छोड़ा जा सके और जल्दी से पहना जा सके। (जैसे कि एक टोपी या एक चश्मा आदि)

## छात्र पुस्तकें

छात्र पुस्तकें या हर पाठ के पन्ने की फोटोकॉपी लेकर हर विद्यार्थी को दें। जिन विद्यार्थियों को पहेली बुझाने में कठिनाई हो रही है उनकी मदद करो, क्योंकि संडे स्कूल किताबें मुश्किल नहीं होनी चाहिए, बल्कि मजेदार होनी चाहिए। आप बच्चों को अपने पन्नों पर चीजों को चिपकाने के लिए भी दे सकते हो। छोटे बच्चों के लिए, रंगीन पन्ने पर सजाने के लिए सजावट की चीज़ें दे सकते हो, जैसे चावल के दाने, रूई के गेंद, नूडल, या रंगीन पैंसिल। बड़े बच्चों के लिए, उनकी किताबें डायरी की तरह हो सकती है, जिस पर टिकट, सिक्के, बुकमार्क या कुछ अन्य चीज़ रख सकते हैं जो उन्हें उनके गृहकार्य की याद दिलाएगी।

## गृहकार्य (रिंग के अंदर)

पिछले हफ्ते के गृहकार्य पर चर्चा करें, और अपने विद्यार्थियों को अगले हफ्ते का गृहकार्य दें। वे सब छात्र पुस्तकों और मैच कार्डों में दिए गये हैं। अपने छात्रों को याद दिलायें कि जो अपने गृहकार्यों को करते हैं केवल वे ही चैंपियन बन सकते हैं। हममें से कोई भी केवल चर्च जाके या बाइबल की आयतों को याद करके चैंपियन नहीं बन सकता, लेकिन इसके अनुसार जीके कर सकते हैं! हम सिफारिश करते हैं कि छोटे समूह बनाये जाएं जिसमें कोच विद्यार्थियों के गृहकार्यों पर नज़र रखकर उनकी मदद कर सके। ( अधिक जानकारी के लिए छोटे समूह भाग में देखें)

हफ्ते के दौरान एक ही बार उन गृहकार्यों को करने से कोई भी उस पाप को ''नॉकआउट'' नहीं कर सकता, जैसे कि केवल एक पंच से कोई भी अपने विरोधी को बॉक्सिंग में हरा नहीं सकता। इस सिद्धांत का इस्तेमाल करते हुए विद्यार्थियों को यह दिखाने में मदद मिलेगी कि यदि वे वास्तव में एक चैंपियन बनना चाहते हैं, तो उन्हें हफ्ते के दौरान और भी ''पंच मारने'' होंगे। आपके अनुशिक्षकों को इस बात पर नज़र रखने को कहो कि उस हफ्ते के दौरान उन्होंने कितने ''पंच'' प्राप्त किए और प्रतियोगिता को प्रोत्साहित करते रहो। हर ''पंच'' एक वह मौका होता है जहां पर उन्होंने उस हफ्ते के दौरान गृहकार्य किया। उन ''पंचों'' को ज्यादा मजेदार बनाने के लिए, इन चार तरीके के ''पंच'' का इस्तेमाल करोः जॉब, हुक, क्रोस और अपरकट।



www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

## कार्यक्रम अनुसूची

1. संगीत
2. नाटक

30 मिनट

3. मुख्य पाठ
4. छात्र पुस्तकें

30 मिनट

5. गृहकार्य
6. आयत याद करने के खेल

30 मिनट

7. सवाल और जवाब
8. उपस्थिति रिवार्ड कार्ड

30 मिनट

## याद करने की आयत का खेल

इस कार्यक्रम के सारे खेल उस हफ्ते के याद करने की आयत को सीखने के अनुसार बनाए गये हैं। दिए गये खेलों का इस्तेमाल करो, या आपके विद्यार्थियों को हर हफ्ते उनका पसंदीदा खेल चुनने की अनुमति दो। समय से पहले उस खेल के लिए आवश्यक सामग्रियों को तैयार कर लो।

## प्रश्नोत्तर (बड़े विद्यार्थियों के लिए)

हर पाठ में तीन प्रश्न दिए गये हैं ताकि आप अपने विद्यार्थियों के साथ चर्चा कर सकें। वे प्रश्न खासकर किशोरों के लिए हैं (उम्र 13–15 के लिए), लेकिन आप उन्हें अन्य उम्र के बच्चों के साथ भी बांट सकते हो और उनके विचार जान सकते हो। विचार यह है कि आपके विद्यार्थी इन विषयों पर सोचें। इसे फायदेमंद बनाने के लिए, यह काफी महत्वपूर्ण है कि आप शीघ्र ही इन प्रश्नों का उत्तर न दें। जितना ज्यादा वे उस विषय पर संघर्ष करेंगे, उतना ज्यादा वे उस विषय पर सोचेंगे, और आप भी एक शिक्षक होने के नाते बेहतर कर सकोगे। अगर वे किसी विषय पर वास्तविक मौकिक विवाद करने लगे, तो समझिए कि आप अच्छा कर रहे हैं! यदि आपके विद्यार्थी किसी विवाद में जल्दी से शांत हो जाते हैं, तो अन्य तरफ के बच्चों को शामिल करो और उन्हें सोचने और बोलने दो।

## उपस्थिति रिवार्ड कार्ड

उपस्थिति रिवार्ड सबको बांटें, एक ऐसा कार्ड जिसमें उस हफ्ते के मैच का विवरण हो। अपने विद्यार्थियों को पूरे साल उपस्थित रहने के लिए प्रोत्साहित करो, और सभी कार्डों को इकट्ठा करो! ये कार्ड काफी कम खर्चे पर डाउनलोड और प्रिंट करने के लिए उपलब्ध है। आप इन कार्डों का इस्तेमाल हर गृहकार्य को एक पाप के साथ मिलाकर एक यादाश्त खेल के लिए भी कर सकते हो।

## रिंग के अंदर

इस हफ्ते आप किसी ऐसे व्यक्ति की मदद करें जिसे कोई अन्य व्यक्ति बिना किसी कारण के तंग करता या दुख देता है। जब हम किसी दूसरे की सहायता करते हैं, तो हम हृदय में इस पाप के विरूद्ध संघर्ष करते हैं। अपने सम्मान को दांव में लगाते हुए किसी दूसरे की सहायता करो।



www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

# कोच

## छोटे समूह

3–7 बच्चों की छोटे समूह बनाओं। हर छोटे समूह में एक कोच की आवश्यकता होती है। कोच को हर हफ्ते कक्षा में शामिल होने की आवश्यकता नहीं होती लेकिन हर हफ्ते विद्यार्थियों या ''खिलाड़ियों'' के साथ एक बार अवश्य अंदर जाएं। अपने मुख्य अगुवों में से अन्य अनुशिक्षकों को संगठित करने और प्रेरित करने के लिए किसी एक को मुख्य कोच चुनें। अपनी कक्षा को छोटे समूहों में बांटों ताकि आपके विद्यार्थियों को आप वास्तव में उनके गृहकार्यों को करने में मदद कर सको। अधिकतर संडे स्कूल कार्यक्रम कलीसिया में होता है, और घर में जाकर करने के लिए कुछ नहीं होता। हालांकि, आपके विद्यार्थी अपने जीवन में से इनके बारे में सीखकर पाप को ''नॉकआउट'' नहीं कर सकते। उन्हें वास्तव में ''रिंग के अंदर'' आना होगा और वास्तविक पाप से लड़ना होगा जिनका सामना वे उस हफ्ते के दौरान करते हैं। वास्तव में, जब तक कोई उन पर निगरानी नहीं रखेगा, तो इसे करना लगभग असंभव है। कृपया उनके ''शब्दों पर विश्वास'' न करें और न ही स्वीकारें जब विद्यार्थी आपसे कहते हैं कि उन्होंने गृहकार्य कर लिया है। अगर आप इस कार्यक्रम के प्रति गंभीर नहीं रहेंगे, तो आप अपने विद्यार्थियों को झूठ बोलने का प्रशिक्षण दे रहे हो। जबकि, जरा मेरे साथ कल्पना कीजिए कि अगर आप वाकई में अपने विद्यार्थियों को अनुशिक्षित कर सकते हो, और साथ ही इस बात पर भी नज़र रखते हो कि वे अपना गृहकार्य कर रहे हैं, तो आप उनके जीवन में सच्चे परिवर्तन को देख सकते हो। केवल एक साल में ही, आप उनका जीवन पूरी तरह से बदल सकते हो! आपके विद्यार्थी आत्मा के फल को याद नहीं कर रहे होंगे, बल्कि वास्तव में उसे जीना सीख रहे होंगे! इन छोटे समूहों को सिखाने के लिए, हमने आपके अनुशिक्षकों के लिए पत्रियां और आपके मुख्य कोच के लिए एक पुस्तक तैयार की है। कोच की पत्रियां हर महीने के लिए है और साथ ही हर आत्मा के फल के लिए भी। मुख्य कोच के लिए एक छोटी पुस्तिका है जिसमें पूरे तीन महीनें की ईकाई के गृहकार्य भी दिए गये हैं।

## अनुशिक्षकों की जिम्मेदारियां:

### कोचः

- 3–5 बच्चों को अनुशिक्षित करें।
- हर हफ्ते कक्षा के पहले और बाद में पांच मिनट के लिए विद्यार्थियों से मिलें और गृहकार्य पर चर्चा करें और चैंपियन बनने के लिए उन्हें उत्साहित करते रहें।
- हफ्ते के दौरान विद्यार्थियों को बुलाकर/संदेश भेजकर गृहकार्य की याद दिलाएं। (सुझावित दिनः मंगलवार)
- हफ्ते के दौरान दूसरी बार विद्यार्थियों को बुलाकर/संदेश भेजकर गृहकार्य पूरे होने के विषय में रिपोर्ट मांगे। (सुझावित दिनः शुक्रवार)
- छोटे समूहों में बच्चों के गृहकार्य पूरे होने पर नज़र रखें और हर हफ्ते मुख्य कोच को रिपोर्ट करें।

### मुख्य कोचः

- हर हफ्ते कक्षा के पहले और बाद में अनुशिक्षकों से पांच मिनट के लिए मिलें और गृहकार्य पर चर्चा करें और उनके विद्यार्थियों को विश्वासयोग्यता के साथ कोचिंग देने के लिए उन्हें उत्साहित करें।
- हफ्ते के दौरान अनुशिक्षकों को बुलाकर/संदेश भेजकर गृहकार्य की याद दिलाएं। (सुझावित दिनः मंगलवार)
- हफ्ते के दौरान दूसरी बार अनुशिक्षकों को बुलाकर/संदेश भेजकर गृहकार्य पूरे होने के विषय में रिपोर्ट मांगें। (सुझावित दिनः शुक्रवार)
- सभी विद्यार्थियों के गृहकार्य पूरे होने पर निगरानी रखें।
- अनुशिक्षकों और उनके परिवारों के लिए महीनें में प्रेरक मीटिंगों को आयोजित करें।

## नियुक्तिः

ज्यादा अगुवों को नियुक्त करना चुनौतीपूर्ण लग सकता है ताकि आपके छोटे समूहों के लिए पर्याप्त अनुशिक्षक हो। हालांकि, यह इतना मुश्किल भी नहीं है। यहां पर कुछ आसान सुझाव दिए गये हैं जिनसे आपको अनुशिक्षकों को खोजने में मदद मिलेगीः

- अनुशिक्षकों से कहो कि उन्हें केवल एक महीनें के लिए ही सेवकाई करनी है। हर महीना आत्मा के एक फल को पूरा करता है। जब वयस्कों से उनके समर्पण के बारे में पूछा जाएगा, और यदि आप केवल एक महीनें के लिए ही पूछते हो, तो अधिकतर लोग इस सेवकाई के लिए तैयार हो जाएंगे। पहले महीनें के दौरान, अगर आप इसे सरल और मनोरंजक बनाते हो, तो वे आगे और जारी रखने के लिए तैयार रहेंगे!
- अनुशिक्षकों को कलीसिया में सामान्य रूप से ही उपस्थित रहने दो, लेकिन 10 मिनट पहले आकर अपने विद्यार्थियों से मिलने के लिए कहो। आपके कोच आपके संडे स्कूल कक्षा में



www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

महीने में केवल एक ही बार उपस्थित होंगे, और अन्य हफ्तों में सामान्य रूप से कलीसिया में अन्य वयस्कों के साथ उपस्थित हो सकते हैं।

• विद्यार्थियों को फोन पर बुलाने से अच्छा है कि आप उन्हें संदेश भेजें। अपने अनुशिक्षकों के मोबाइल में पूरे महीने के लिए ऑटोमेटिक संदेश भेजने में मदद करें, ताकि वे आसानी से अपने विद्यार्थियों के साथ संपर्क में रहें। इस बात का ध्यान रखें कि पारंपरिक बुलाने के तरीके के अलावा आप नए तरीकें जैसे कि फेसबुक, ट्विटर, वाट्सअप आदि का उपयोग भी कर सकते हो।

• अपनी कलीसिया में अनुशिक्षकों के कुछ सामान रखने के लिए एक स्थान तैयार करें। एक ''कोच'' दिखने के लिए आपके अनुशिक्षक, खेल के दौरान पहने जाने वाली टोपी, सींटी और वॉटर बोटल भी रख सकते हैं। हर सप्ताह इन चीज़ों को लेकर आने से बेहतर होगा कि इन्हें कलीसिया में ही कहीं रखने की अनुमति दी जाएं। इस तरह से आपके कोच चर्च के दौरान अपना सामान्य वस्त्र पहन सकते हैं, और बाद में कुछ खेल के सामान लेकर एक कोच की तरह दिख सकते हैं।

• हर महीनें आयोजित होने वाली अनुशिक्षकों की मीटिंग को अधिक प्रेरणादायक बनाएं, ताकि वे इसमें निरंतर साल के दौरान शामिल होना चाहे।

• अगर आवश्यकता हो तो बड़े समूहों की अनुमति दें। फेसबुक पर सामूहिक सूचना की मदद से किसी के लिए 10 बच्चों को अनुशिक्षित करना कठिन बात नहीं है।

## प्रेरणादायक सभाएं:

मुख्य अनुशिक्षक का कार्य यह है कि वह अन्य अनुशिक्षकों को उत्साहित बनाए रखें। इसे करने का एक महत्वपूर्ण तरीका यह है कि आप हर महीने एक प्रेरणादायक सभा का आयोजन करें। आप किसी एक समय मिलकर भोजन कर सकते हो, साथ में प्रार्थना कर सकते हो, खेल के विषय जानकारी इकट्ठी कर सकते हो और देखो कि आप इसे अपने मसीही जीवन में कैसे लागू कर सकते हो। इसके साथ ही, आप ऑलंपिक खिलाड़ी के बारे में बात कर सकते हो या मिलकर कोई प्रेरणादायक खेल मूवी पॉपकार्न या अन्य स्वादिष्ट व्यंजन का मजा लेते हुए देख सकते हो। अपने अनुशिक्षकों के साथ इस विचार को बांटें कि अगर एक खिलाड़ी को जीतने के लिए इतनी मेहनत करनी पड़ती है तो यह हमारे लिए भी काफी महत्वपूर्ण होता है कि
आत्मिक और अनंत बातों के लिए हम अधिक परिश्रम करें।

## पुरस्कार वितरण समारोह

कोच होने के नाते एक महत्वपूर्ण भाग यह है कि आप अपने विद्यार्थियों को एक विजेता बनने का एहसास दिलायें। इसका अर्थ यह है कि आप उन्हें व्यक्त करें कि आप कैसा व्यवहार चाहते हैं, और उस व्यवहार को पुरस्कृत करें। हम सिफारिश करते हैं कि आप विद्यार्थियों को पुरस्कृत करें जब वे अपना गृहकार्य करते हैं, जहां हफ्ते के दौरान वे पाठ को अपने कर्मों में अमल करते हैं। उपस्थिति और याद करना उनका ''प्रशिक्षण'' है और हफ्ते के दौरान अपने गृहकार्य को करना वास्तव में उनकी प्रतियोगिता है। अपने विद्यार्थियों को उत्साहित करें कि अगर वे जीतना चाहते हैं तो प्रशिक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। जबकि, वास्तविक संसार की प्रतियोगिता में ही वे असली विजेता बनते हैं।

एक विचार यह हो सकता है कि हर महीनें के अंत में एक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाए, जब आप आत्मा के हर फल को पूरा पढ़ा चुके होते हो। उदाहरण के लिए, प्यार में 5 हफ्ते का अध्ययन है। जिन्होंने भी कम से कम 3 हफ्ते तक अपने गृहकार्य पूरे किए हो वे कास्य पदक जीत सकते हैं, 4 हफ्ते के लिए चांदी और जिन्होंने पूरे पांच हफ्ते अपने गृहकार्य किए हो उन्हें स्वर्ण पदक दिया जा सकता है। पहले महीनें के बाद आप आगे इसमें अपनी सुविधानुसार परिवर्तन ला सकते हो, क्योंकि कुछ गांव और शहर दूसरों के मुकाबले अधिक चनौतीपूर्ण होते हैं। कुछ इलाके अधिक सुसमाचार के लिए अनुरूप होंगे, और आपको आसान गृहकार्य देने की आवश्यकता होगी ताकि वे उत्साही बने रहें और आपकी कक्षा के साथ लगातार बने रहें।

साल के आखिर में, उनके लिए बड़े पुरस्कार की घोषणा करें जिन्होंने पूरे साल भर कई पुरस्कार जीते हो। यह कोई ट्रोफी या उपयोगी सामान हो सकता है। उन पुरस्कारों को कलीसिया के मंच पर समस्त लोगों के सामने उन विद्यार्थियों को देकर आप इसे और अधिक विशेष बना सकते हो!

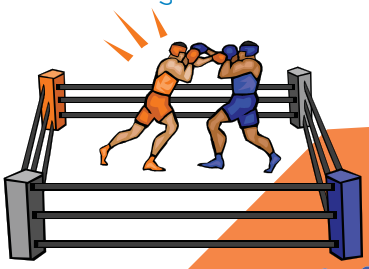



www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

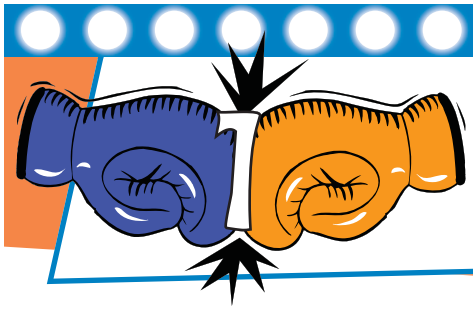

# धीरज बनाम अधीर होना

*बाइबल की कहानी:* सोने का बछड़ा

निर्गमन 32

## नाटक

बुद्धिमान विक्की उन दोनों के लिए बढ़िया डिनर बनाने की तैयारी करता है। जबकि मूर्ख फ्रेडी इंतज़ार करते हुए थक जाता है और वहां पर रखे एक फुटबॉल को खाने की कोशिश करता है।

### याद करने की आयत

**और उस की महिमा की शक्ति के अनुसार सब प्रकार की सामर्थ से बलवन्त होते जाओ, यहां तक कि आनन्द के साथ हर प्रकार से धीरज और सहनशीलता दिखा सको।**

कुलुस्सियों 1:11

## मुख्य पाठ

''चैंपियन्स'' में एक बार फिर आपका स्वागत् है, इस महीने हम धीरज के विषय में पढ़ेंगे। आज की बाइबल की कहानी इस्त्राएलियों और उनके धीरज की कमी के बारे में हैं। यह केवल तीन महीने पहले की बात थी (निर्गमन 19:1) कि वे विपत्तियों से बचाये गये थे, मिस्त्र की गुलामी से छुड़ाए गये थे, और परमेश्वर की सुरक्षा को आग और बादल के रूप में प्राप्त किया था, परमेश्वर ने उन्हें लाल समुद्र पार करने में मदद की थी, मरूस्थल में पानी का चमत्कार दिया था, और स्वर्ग से हर दिन रोटी और मांस खिलाकर उनका पालन पोषण किया था! (निर्गमन 16:1)

परमेश्वर ने मूसा को पहाड़ पर बुलाया जहां पर वह काफी लम्बे समय तक रहा (40 दिन, निर्गमन 24:18)। लोगों ने हारून को उनके लिए एक ईश्वर को बनाने को कहा। हारून ने उन लोगों से उनके सोने के जेवर देने को कहा और उनसे एक बछड़ा तैयार किया और खाते–पीते जश्न मनाते हुए उन्होंने उसकी आराधना की। परमेश्वर ने उनके पाप को देखा और पहाड़ से जल्दी नीचे उतर कर जाने को कहा। परमेश्वर और मूसा दोनों क्रोधित हो उठे और लोगों को उनकी अनाज्ञाकारिता और अधीरता के लिए दंड़ दिया।

परमेश्वर हमसे उसी तरह से बातें करता है जैसा कि उसने अपने लोगों से उन पुराने समय में किया। वह हमें हमारे जीवन के लिए वायदे और निर्देशन देता है। वह आपको किसी सेवाकार्य के लिए बुला सकता है, या आपको किसी बात के लिए उत्साहित कर सकता है जिसे आप भविष्य में पूरा करने के काबिल बन जाएंगे। वह आपको एक शिक्षक, एक पास्टर, या एक डॉक्टर बनने के लिए बुला सकता है। कई बार, परमेश्वर किसी बात के पूरे होने से कई साल पहले ही हमें बुलाता और नियुक्त कर देता है। ऐसे समय मे हमें धीरज की जरूरत होती है। हम जानते हैं कि परमेश्वर ने हमें बुलाया है, जबकि दूसरे इसे देख नहीं सकते। इसे अनदेखा करना और ऐसा दिखाना काफी कठिन होता है कि हमारे पास देने के लिए कुछ भी नहीं है। शायद आपको लगता होगा कि परमेश्वर ने आपसे कहा था कि वह आपको चंगा करेगा, फिर भी आप अभी बीमार हो।

परमेश्वर हमारी तरह समय की सीमा में बंधा हुआ नहीं है। परमेश्वर हमेशा से मौजूद है, और अनंत काल तक मौजूद रहेगा। अभी हमारा शरीर नश्वर है और हमें ऐसा लगता है कि हमारी घड़ी चल रही है। इस्त्राएलियों के लिए, जो महीना मूसा पर्वत पर था, वह काफी लम्बा था और वे अधीर हो उठे। उस परमेश्वर पर विश्वास करने की बजाय जिसने उन्हें कई बार बचाया था, उन्होंने दूसरे ईश्वर को बनाया। हम भी परमेश्वर के वायदों को पूरा करने के प्रलोभन में अपने आप चीज़ों को व्यवस्थित करने का प्रयास करते हैं, इसे अपने दम पर पूरा करने की कोशिश करते हैं। वह परमेश्वर की आशीष नहीं है। परमेश्वर की ओर से तब आशीष आती है जब हम धीरज धरते हैं और उसे उसका काम करने देते हैं, वह भी उसके समय में। किस कारण से इस्त्राएली उन सभी चमत्कारों को भूल गये जो परमेश्वर ने हाल ही में उनके साथ किया था? हम इसे अच्छी तरह से जानते हैं कि वे कैसे भूले होंगे, क्योंकि हम भी उन बातों को भूल जाते हैं जो परमेश्वर ने हमारे जीवन में भी किया होता है!

धीरज आत्मा का एक महत्वपूर्ण फल है। इसके द्वारा हम परमेश्वर के लिए सामर्थशाली जन बन सकते हैं। जबकि, धीरज की कमी के कारण, हम शिशुओं की तरह होते हैं, जो एक महीने से दूसरे महीने में उछाला जाता है। धीरज आपको एक शिशु बने रहने नहीं देता!

## याद करने की आयतों का खेल

*बिखरी हुई पहेलियां*

एक रंगीन कागज़ के टुकड़े पर हर बच्चे से एक आयत लिखवाएं, फिर पहेली रेखाएं खींचें और फिर उन टुकड़ों को काट लें। (अगर समय कम हो, तो समय से पहले ही पहेलियों को तैयार कर लें।) उसके बाद बच्चों के बीच एक मुकाबला करायें कि सबसे पहले उनकी पहेलियों को कौन एक साथ जोड़ता या मिलाता है। पहेली के पूरा होने पर पहले जोड़ने वाले विद्यार्थी या टीम को खड़े होकर ऊंची आवाज़ में अपनी आयत को बोलना होगा।

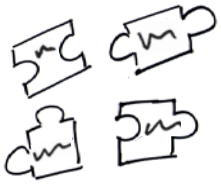

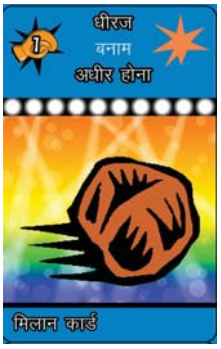




www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

## पहेली के जवाब

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स्तु | आ | ज्ञा | का | रि | ता | अ | र |
| ति | प | भु | ब | वि | ए | नं | आ |
| मू | सा | गु | चा | प | र्व | त | शी |
| म | इं | ला | या | त्ति | क्षा | ता | ष |
| सी | त | मी | अ | वा | य | दे | सु |
| ही | जा | प | र | मे | श | व | र |
| धी | र | ज | य | वि | स | वि | क्षा |
| इ | स्त्रा | ए | ली | च | म | त्का | र |
| इं | ह | क | दा | र | य | प | प |

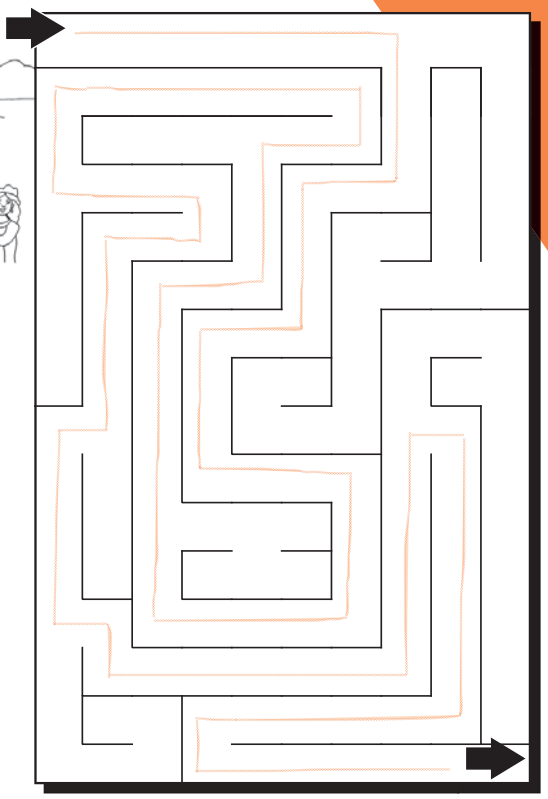

धीरज विपत्ति मूसा इंतजार परमेश्वर
इस्त्राएली गुलामी पर्वत समय आशीष
बचाया सुरक्षा आज्ञाकारिता अनंतता चमत्कार

## सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. परमेश्वर हमसे किस तरह से बातें करता है? वह कौन सी आखिरी बात थी जो परमेश्वर ने आपसे कही थी? परमेश्वर अपने वचन, अर्थात् बाइबल, को इस्तेमाल करता है। कई बार ''आयतें'' पन्नों पर से उछलकर किसी विशेष समय पर लागू होते हुए दिखता है। परमेश्वर उन लोगों को जैसे कोच, पास्टर और शिक्षकों को आपसे बातें करने के लिए इस्तेमाल कर सकता है। परमेश्वर आपसे प्रत्यक्ष रूप से सीधे बातें कर सकता है जैसे कि जब आपके मन में तीव्र इच्छा होती है कि रूककर किसी की मदद करें, या किसी खास परिस्थिति, व्यक्ति या सड़क को नजरअंदाज़ करें।

2. हम ऐसे कौन से काम कर सकते हैं जिनसे हम परमेश्वर के उन चमत्कारों को इतनी जल्दी से न भूलें जैसा कि इस्त्राएलियो ने आज की कहानी में किया? हम यह लिखने के लिए एक डायरी या कॉपी का इस्तेमाल कर सकते हैं कि परमेश्वर ने हमारे लिए क्या किया है। हम उन विशेष समयों पर जश्न मना सकते हैं जब परमेश्वर कोई बड़ा कार्य करता है। जिस तरह से हमारे लिए त्यौहार और विशेष पार्टियां होती है, उसी तरह से हम विशेष तारीखों को केलैंडरों में निशान लगा सकते हैं और जो परमेश्वर ने किया है उसका आनंद मना सकते हैं। तब हम परमेश्वर के उन कार्यों की गवाही दे सकते हैं जो उसने हमारे जीवन में किया।

3. अनंतता का क्या अर्थ होता है? यह कैसे संभव है कि हम अनंत काल तक जीवित रह सके? अनंतता में कोई समय नहीं होता, यह मृत्यु के बाद एक अनंत जीवन होता है। बाइबल कहती है कि हम अनंत है और हम स्वर्ग या नरक में अनंत काल के लिए जीवित रहेंगे। मसीही मृत लोगों की आत्मा के लिए प्रार्थना करने में विश्वास नहीं करते, बल्कि हम सीधे स्वर्ग में परमेश्वर के पास जाएंगे या नरक में अनंत दंड भोगेंगे। इसका यह भी अर्थ है कि हम वापस इस दुनिया में किसी दूसरे व्यक्ति या प्राणी के रूप में नहीं आएंगे, जैसा कि कुछ विश्वास करते हैं, लेकिन जब हम मर जाएंगे, तो हम इस पृथ्वी को हमेशा के लिए छोड़ देते हैं और स्वर्ग या नरक में चले जाते हैं।

### रिंग के अंदर

मिट्टी पर कुछ ऐसा लिखों जो परमेश्वर ने आपके लिए भूतकाल में किया हो और उस स्थान पर एक पत्थर रखकर एक निशान बनाएं। इसे कलीसिया में किसी एक स्थान पर करें, हर विद्यार्थी अपना खुद का विशेष स्थान बनाएं और सप्ताह के दौरान दूसरा स्थान घर पर कहीं बनाएं। अपने स्थान पर पत्थर से निशान बनाने के बाद, दूसरे को बताएं कि परमेश्वर ने क्या किया था।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

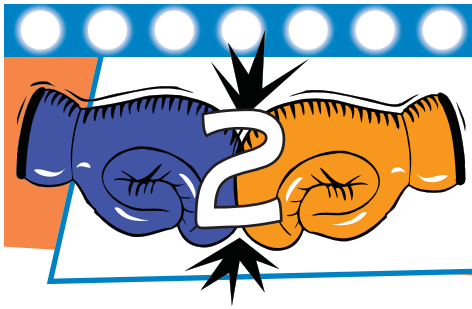

# धीरज बनाम कष्ट

*बाइबल की कहानी:* अय्यूब धीरज के साथ कष्ट उठाता है

अय्यूब 1–2

## नाटक

मूर्ख फ्रेडी और बुद्धिमान विक्की एक लम्बी दौड़ की तैयारी करते हैं। विक्की काफी दूर तक थकने और चोट लगने के बावजूद भागता रहता है, जबकि मूर्ख फ्रेडी जब थक जाता है तब वह रूक जाता है। बाद में उस लम्बी दौड़ में, अंतिम बिन्दु पर रिबन को पार करते हुए विक्की आसानी से दौड़ जीत जाता है।

### याद करने की आयत

**मेरे दुःख में मुझे शान्ति उसी से हुई है, क्योंकि तेरे वचन के द्वारा मैं ने जीवन पाया है। - संहिता 119:50**

## मुख्य पाठ

इस हफ्ते हम धीरज के विषय में सीख रहे हैं जो कष्ट से भिन्न है। संसारभर में लोग शोषण, प्राकृतिक आपदाओं, सताव, बीमारी और मृत्यु से जूझ रहे हैं। कोई भी इस ग्रह में कष्ट से बच या छुप नहीं सकता। धन, शक्ति या प्रसिद्धी हमें कष्ट से नहीं बचा सकते। मसीहियों के लिए, चुनौती यह है कि हम इसके प्रति कैसे प्रतिक्रिया करते हैं। क्या हम हमारी पीड़ा से होने वाले कष्ट को अनुमति देंगे कि वह हमें जकड़कर हमें नीचे डाल दे? या हम उन पीड़ाओं के द्वारा धीरज को विकसित कर सकते हैं और इस संसार के लिए जीवित उदाहरण बन सकते हैं?

याकूब की किताब में (याकूब 5:10–11), परमेश्वर कष्ट के संदर्भ में धीरज का वर्णन करता है, जिसमें अय्यूब के जीवन को एक उत्तम उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया गया है। वचन कहता है कि जो कोई कष्ट में धीरज धरता है वे धन्य होते हैं।

अय्यूब के विषय में बाइबल का लेख काफी दिलचस्प है क्योंकि यह एक पूर्ण अलौकिक दुनिया के विषय में हमारी आंखों को खोलता है जिसमें स्वर्ग का परमेश्वर, स्वर्गदूत और शैतान शामिल है जो दुनिया में इधर उधर घूमता रहता है। परमेश्वर गर्व के साथ शैतान को एक अद्भुत व्यक्ति के बारे में बताता है जिसका नाम अय्यूब था। शैतान कहता है कि अय्यूब इसलिए अच्छा जीवन जीता है क्योंकि परमेश्वर ने उसे काफी आशीष दे रखी है, और परमेश्वर का चुनौती देता है कि अगर वह अय्यूब से सारी आशीषें छीन लेगा तो वह परमेश्वर की निंदा करेगा। इसलिए, परमेश्वर शैतान को अय्यूब की परीक्षा लेने की अनुमति दे देता है। और शैतान एक ही दिन में अय्यूब के सभी पशुओं, नौकरों और परिवारजनों को मार डालता है! फिर भी अय्यूब परमेश्वर की निंदा नहीं करता, और इसलिए शैतान को अय्यूब की सेहत पर भी हमला करने की अनुमति मिल जाती है। शैतान को यकीन था कि अगर अय्यूब स्वयं व्यक्तिगत रूप से कष्ट झेलेगा, तो वह अपनी पीड़ा के लिए परमेश्वर की निंदा करेगा। अब अय्यूब इस दशा में हैं जहां वह जमीन पर काफी दर्दभरे फोड़ों के साथ पड़ा हुआ है, और उसकी समस्त संपति और उसके बच्चे, सबकुछ खो चुका था, लेकिन उसने परमेश्वर की निंदा करने और अपनी पीड़ाओं के कारण उसका इंकार करने से इंकार किया। उसकी पत्नी से उस पर दबाव डाला और उसके मित्र उसके पास आकर उसकी निंदा करने लगे। उन्होंने अय्यूब से कहा कि उसने कोई ऐसा पाप किया होगा जिसके लिए उसको इतना दर्द और अपने आसपास इतनी मृत्यु को सहना पड़ रहा है। फिर भी, अय्यूब परमेश्वर के सामने निर्दोष बना रहा, और धीरज धरता रहा बजाय कि उसके कष्ट उसे नीचे गिरा दे। हम इस बाइबल लेख के आधार पर देख सकते हैं कि परमेश्वर हमसे यह चाहता है कि हम अच्छे और बुरे, दोनों वक्त परमेश्वर का आदर करें। हम केवल तभी आनंदित मसीही नहीं बन सकते जब सब कुछ अच्छा चल रहा होता है। अय्यूब ने अपने पत्नी से कहा, ''क्या हम जो परमेश्वर के हाथ से सुख लेते हैं, दुःख न लें?''

दर्द और मृत्यु स्वाभाविक बात है। इससे होने वाले कष्ट भी स्वाभाविक और मानवीय है।

हालांकि, जब हम किसी बड़ी मुश्किल परिस्थिति से होकर गुजरते हैं तब जो धीरज होता है वह अलौकिक होता है। इसमें परमेश्वर हमारे अंदर कार्य करने और परमेश्वर पर पूरी तरह से भरोसा रखने की जरूरत होती है। हर कोई कठिन समय से होकर गुजरता है। हालांकि, अगर आप अपने अंदर कष्ट और शिकायतों की बजाय धीरज को बढ़ने देंगे, तो आप एक वयस्क मसीही बन सकते हो।

## याद करने की आयतों का खेल

*आयत बोलो अगर आपने...*

वे बच्चे आयतों को बोलें जिन्होंने.... सुबह नाश्ता किया हो, रात को नहाया हो, जिनकी भूरी आंखें हो, जिन्हें चॉकलेट पसंद हो, जिन्होंने सुबह उठकर अपना बिस्तर ठीक किया हो, जिनकी कोई बहन हो, जिन्होंने लाल कपड़ा पहना हो, आदि। यह किसी एक आयत को याद कराने का आसान तरीका है जिसमें बच्चे उस आयत को बार बार दोहराते हैं और जल्दी ही उसे सीख लेते हैं।

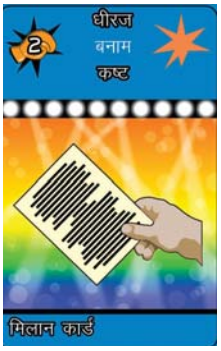




www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

# पहेली के जवाब

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | र | आ | प | व | य | स | क | प |
| सी | दृ | शी | ह | पा | प | वी | दु | स |
| ही | ढ़ | षि | म | सी | ही | का | ख | तु |
| प | ता | त | ला | र | धी | र | ज | ति |
| ह | अ | दो | ष | ल | गा | ना | प्र | भु |
| द | क | अ | य्यू | ब | क | द | र्द | वा |
| य | र | मि | त्र | प्र | ष्ट | बा | व | य |
| ह | क | दा | र | भु | प | व | र | द |

धीरज दृढ़ता दोष लगाना वयस्क
दुख आशीषित पाप मसीही
दर्द अय्यूब दबाव स्वीकारना
कष्ट हमला मित्र

# सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. परमेश्वर हमें कष्ट भोगने के लिए क्यों अनुमति देते है? इस दुनिया में कष्ट ने मनुष्य के पाप के कारण प्रवेश किया। परमेश्वर रोबोट या बुद्धिहीन जनों को अनंतता के लिए नहीं चाहते। परमेश्वर चाहते थे किहम उससे प्रेम करें और उसकी सेवा करें क्योंकि हमने ऐसा करने का चुनाव किया है। हालांकि, इसका अर्थ यह हुआ कि कुछ लोग उसके पीछे न चलने का चुनाव करेंगे। कुछ लोग झूठ बोलने, धोखा देने, चोरी करने, मार डालने और नष्ट करने का चुनाव करेंगे। कष्ट इसलिए हमारे साथ है क्योंकि चुनाव हमारे साथ है।

2. हमारे प्रियजनों को मरना क्यों पड़ता है? मृत्यु कुछ ऐसाहै जो सबको छूता है, क्योंकि कोई भी हमेशा जिंदा नहीं रह सकता। जबकि, हमारी आत्माएं हमेशा जिंदा रहेगी, स्वर्ग में या नरक में। इसलिए मृत्यु ने मसीहियों के विरूद्ध अपने डंक को खो दिया है। मृत्यु केवल इस शरीर को नष्ट कर सकता है, लेकिन मेरी आत्मा तब परमेश्वर के साथ स्वर्ग में स्वतंत्र होगी। परमेश्वर दुनिया भर के सभी मसीहियों को उन सभी कष्टों से रक्षा करनेवाला नहीं है जो सभी मानवजाति अनुभव करते हैं। बल्कि, हमें इस दुनिया में कष्ट के बीच भी धीरज धरने वालों के जिंदा उदाहरण के रूप में रहना चाहिए।

3. किस तरह से कष्ट एक संभावित आशीष बन सकता है? कष्ट हमें परमेश्वर के पास ले जाता है। यह हमें दया को सीखने का अवसर प्रदान करता है। कष्ट दूसरों को प्रतिफल दिला सकता है, जैसा कि यीशु ने कहा कि यदि हम दूसरों से मिलने जाए या किसी को एक कटोरा पानी पिलाए तो उसका प्रतिफल दिया जाएगा। जब हम कष्ट से होकर गुजरते हैं तो हम दूसरों की सेवा करने के लिए अधिक सुसज्जित हो जाते हैं।

## रिंग के अंदर

परमेश्वर को किसी बात के लिए एक धन्यवाद लिखें जिसे आपने सहा हो। जैसा अय्यूब ने कहा, वैसा ही कहने की कोशिश करें, ''परमेश्वर ने दिया और परमेश्वर ने ही लिया। परमेश्वर के नाम की स्तुति हो।'' यदि हो सके तो अपनी गवाही को कक्षा के अन्य विद्यार्थियों के साथ बांटें।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

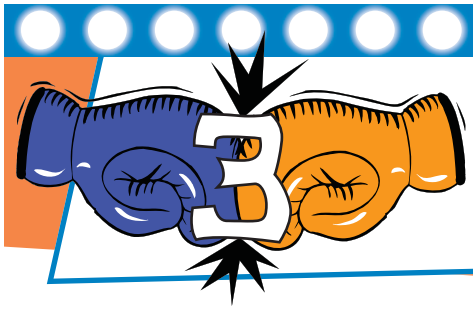

# धीरज बनाम घमंड़

*बाइबल की कहानी:* राजा नबूकदनेस्सर

दानिय्येल 4

## नाटक

बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी एक काम के लिए आवेदन करते हैं, और दोनों को एक एक फावड़ा दिया जाता है। फ्रेडी ऊंची आवाज़ में अवास्तविक दावे करता है कि कितनी जल्दी और कितना गहरा गड्ढ़ा खोद सकता है। जबकि विक्की नम्रता के साथ कहता है कि वह वास्तव में काम करना चाहता है और वायदा करता है कि वह कड़ी मेहनत करेगा और अपना सबसे उत्तम परिणाम देगा। विक्की को नौकरी पर रखा जाता है।

याद करने की आयत

**किसी काम के आरम्भ से उसका अन्त उत्तम है; और धीरजवन्त पुरूष गर्वी से उत्तम है।**
**सभोपदेशक 7:8**

## मुख्य पाठ

आज हम घमंड़ के विषय में सीख रहे हैं और यह भी कि यह हमें किस तरह से नीचे गिरा सकता है। यहां तक कि, घमंड़ हमें पूरी तरह से नाश कर सकता है अगर हम इसकी अनुमति दे देते हैं! वास्तविकता यह है कि हमें हमेशा यह पहचानना चाहिए कि परमेश्वर ही है जिसने हमें उन सबको पाने में मदद की है जो हमारे पास है, और उसे ही सारा श्रेय और महिमा मिलनी चाहिए। जितना ज्यादा हम अपने उपलब्धियों पर घमंड़ करते जाएंगे, उतने ही परेशानियों में हम घिरते रहेंगे।
आज की बाइबल कहानी राजा नबूकदनेस्सर के बारे में हैं जो अपनी छत पर खड़ा होकर, अपने अद्भुत राज्य की ओर देखकर उसे निहारता है। वह अपने मन में सोचता है, ''यह क्या ही मनोहर नगर है जिसे मैंने अपनी शक्ति से बनाया है,'' जो वास्तव में कर रहा था, ''मैं अत्यंत महान हूं!'' परमेश्वर ने इस राजा को एक वर्ष पहले की आगाह किया था कि वह घमंड़ से बचे रहे, नहीं तो परमेश्वर स्वयं उसे नम्र करेगा। हालांकि, वह अपने महल की छत पर खड़ा था, और अपनी सभी उपलब्धियों के लिए अपने मन ही मन घमंड़ से भरा हुआ था। इसलिए परमेश्वर ने उसे दीन किया। ये शब्द अभी भी राजा के मुंह में ही थे कि स्वर्ग से एक आवाज़ आई जिसने उसके अधिकार को उससे छीन लिया। वह महल से बाहर निकाला गया, और पागल हो गया। वह नगर के बाहर मैदान के पशुओं की तरह चरने लगा और उसके नाखून और बाल बहुत बढ़ गये। यह प्रसिद्ध राजा एक जंगली जानवर की तरह बन गया था जो बाहर अकेला घूमा करता था।
घमंड़ एक बदसूरत पाप है, और परमेश्वर इसको बिल्कुल सहन नहीं करता। परमेश्वर मनुष्य को नीचा कर सकता है, और उनकी बड़ी नौकरी या काम को छीन सकता है या किसी तरह से धन को खोने की अनुमति दे सकता है। परमेश्वर सर्वशक्तिमान, संप्रभु है और वह हमारे बारे में चिंता करता है। जब हम घमंड़ी बन जाते हैं, तो यह हमारे हित के लिए ही होता है कि परमेश्वर हमें नम्र करें। दूसरी ओर, हम अपने आप को नम्र बनाके अपने जीवन को काफी सरल बना सकते हैं, इससे पहले कि परमेश्वर ऐसा करे।
घमंड़ आत्मा के फल के विरोध में एक शत्रु है। इस महीने हम धीरज के विषय में सीख रहे हैं। इंतज़ार करना काफी कठिन हो सकता है। कई बार हमें परमेश्वर पर उस स्वप्न के पूरा होने का इंतज़ार करना होता है जो उसने हमसे वायदा किया है, यह हमें दूसरों का इंतज़ार करना होता है जो उन्होंने हमसे वायदा किया हुआ होता है। किसी भी तरह से, घमंड़ हमारे धीरज के मार्ग में आ सकता है। जितना अधिक हम अपने बारे में सोचेंगे, उतना ही कम हम दूसरों का इंतज़ार करना चाहेंगे। एक राजा को किसी का इंतज़ार करने की जरूरत नहीं होती! इसलिए जितना ज्यादा हम अपने आप को राजा के तुल्य सोचेंगे, उतना ही कम हम इंतज़ार करना चाहेंगे। बाइबल कहती है कि यह राजा एक जानवर की तरह ''सात काल'' तक जीया, जिसका अर्थ 7 साल भी हो सकता है! उस समय के बाद, नबूकदनेस्सर राजा ने अपनी आंखें स्वर्ग की ओर उठाई और माना कि परमेश्वर ही इस पूरी दुनिया के वास्तविक राजा है, और उसने परमेश्वर की स्तुति की और उसकी महिमा की। उसकी बुद्धि वापस पहले जैसे हो गई और वह फिर से राजा बनाया गया।
क्या आप परमेश्वर द्वारा नम्र किए जाना चाहते हो, या आप अपने आप नम्र बनना चाहते हो? आप स्वयं चुनिये।

## याद करने की आयतों का खेल

*गुब्बारे फोड़ना*

गुब्बारों को फुलाओ जिसपर याद करने की आयत का एक एक शब्द लिखा हुआ हो। एक स्थायी मार्कर पेन का इस्तेमाल करते हुए, हर गुब्बारे पर याद करने की आयत के एक एक शब्द को लिखो। चिपकाने के साफ टेप के द्वारा, गुब्बारों को दीवार के साथ सही क्रम में रखो (अगर समय की अनुमति हो, तो बच्चे स्वयं इसे बारी बारी से लगा सकते हैं) अगर आप कक्षा–समय के दौरान गुब्बारों को लगा रहे हो, तो समस्त कक्षा को पढ़ने दें कि अब तक क्या लगाया जा चुका है। सभी गुब्बारों को उनके यथा स्थान पर लगाए जाने के बाद, स्वयंसेवकों से कहें कि वे बारी बारी से किसी एक गुब्बारे को फोड़ते जाएं (छोटा पिन इसके लिए उपयुक्त होगा), और उसके पीछे हर कोई मिलकर उस आयत को बोलते रहें जब जब एक गुब्बारा फूटता रहता है।

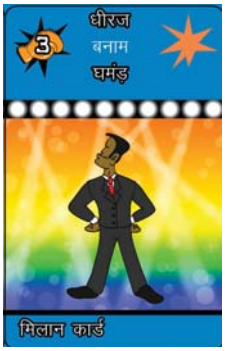




www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

# पहेली के जवाब

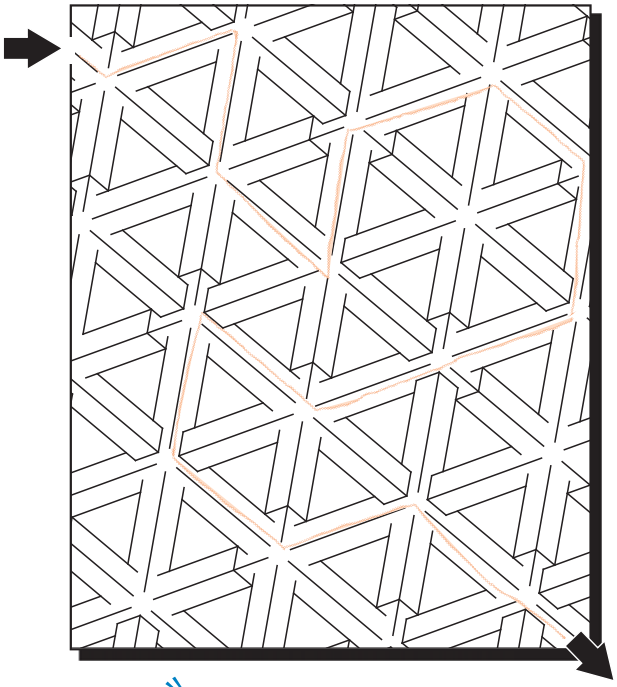

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| इं | त | ज़ा | र | अ | ना | र | न | ग |
| पा | ध | म | श्रे | ी | श | प | म्र | म |
| प | ी | वा | य | दे | क | ह | कि | सी |
| प | र | मे | श | व | र | चा | या | ही |
| इ | ज | अ | ह | म् | ना | न | ग | र |
| स्त | तु | ति | पू | रा | हो | ना | प्र | व |
| ह | क | दा | र | जा | इ | घ | मं | ड़ |

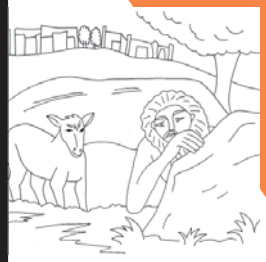

घमंड़ अहम् धीरज वायदे
पप नगर इंतज़ार पहचानना
नाश करना परमेश्वर पूरा होना स्तुति
राजा नम्र किया श्रेय

# सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. क्या आपको लगता है कि राजा पागल हो गया था और घास चरने लगा था? कुछ लोग बाइबल में से कुछ कहानियों को लेते हैं और कहते हैं कि वे सब वास्तविक नहीं बल्कि ''सांकेतिक'' है। जब बाइबल कहती है कि परमेश्वर ने राजा को पागल बनाकर दीन किया, तो क्या हम इस पर विश्वास करेंगे? हम जानते हैं कि यह संभव है! आइए हम इस बात का विश्वास करने का चुनाव करें कि परमेश्वर सर्वशक्तिमान, और हमें किसी भी तरह से दीन बना सकता है जैसा वह चाहता है।

2. किस तरह से राजा अपने आपको दीन बना सकता था कि परमेश्वर को उसे ऐसा नहीं करना पड़ता? राजा इस तरह से कह सकता था, ''इस अद्भुत और मनोहर देश को देखो जो परमेश्वर ने मुझे दिया है'' यह कहने की बजाय कि यह सब ''मेरी शक्ति से हुआ है।'' वह दूसरों को भी धन्यवाद दे सकता था, उन्हें पहचान दे सकता था। सिंहासन पर से, राजा सार्वजनिक रूप से परमेश्वर की सहायता को दूसरों को बता सकता था।

आपके समुदाय में लोग राजा की तरह कैसे अभिनय करते हैं? यह कैसा दिखता है?

3. लोग हमेशा राजा की तरह अभिनय करते हैं! यही पर हम अपने लिए महिमा का दावा करते हैं; यह दिखाते हैं कि कितना अच्छा हम कर रहे हैं,और दूसरों को या परमेश्वर को महिमा या श्रेय देने से इंकार कर देते हैं। ऐसा तब भी होता है जब हम प्रसिद्धी और भाग्य के लिए संघर्ष करते हैं ताकि हम धनी और प्रसिद्ध हो सके।

## रिंग के अंदर

अपने आप को दीन करने के लिए कोई क्रियाकलाप करें। आप पंक्ति में अपने स्थान को दूसरे को दे सकते हो, टीवी पर दिखाए जाने वाले किसी कार्यक्रम का बहिष्कार कर सकते हो जिसमें पात्र घमंड़ से भरा हो, मंच पर या दूसरों के सामने से अपने पर ध्यान न केंद्रित होने दें, या दूसरों को अनुमति दें कि वे आपको सुधार सके।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

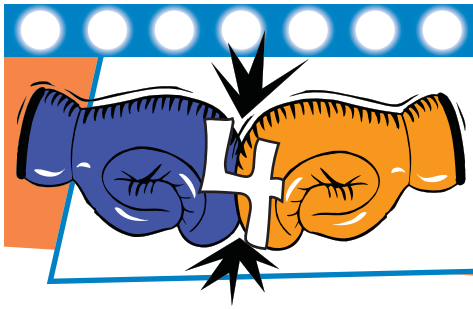

# धीरज बनाम गुस्सा

*बाइबल की कहानी:* दाऊद, नाबाल और अबीगैल

1 शमूएल 25

## नाटक

मूर्ख फ्रेडी को कोई गलती से धकेल देता है और वह कीचड़ में गिर पड़ता है। फ्रेडी गुस्से से पागल हो उठता है और उस व्यक्ति को पीटना चाहता है जिसने उसे वहां गिराया था लेकिन बुद्धिमान विक्की कहता है कि उस व्यक्ति ने यह काम जानबूझ कर नहीं किया इसलिए उसे सज़ा नही देनी चाहिए। बाद में वे तीनों दोस्त बन जाते हैं क्योंकि विक्की ने फ्रेडी के गुस्से को बदल कर दिया था।

याद करने की आयत

**क्रोध तो करो, पर पाप मत करो: सूर्य अस्त होने तक तुम्हारा क्रोध न रहे।**

इफिसियों 4:26

## मुख्य पाठ

इस हफ्ते हम गुस्से के बारे में सीख रहे है जो कि धीरज के विपरीत है। गुस्सा एक दिलचस्प भावना है, क्योंकि यह हमें अंधा बना सकता है। यह हमारे समस्त व्यक्तित्व को अनियंत्रित कर देता है, और हम कुछ और नहीं सोच पाते। जब हम गुस्सा होते हैं तो हम दूसरों के प्रति या अपने प्रति पाप कर रहे होते हैं। सबसे कठिन गुस्सा जिस पर नियंत्रण पाना काफी मुश्किल होता है वह तब होता है जब कोई हमारा बुरा करता है। जब हमें पता होता है कि हम सही है, तो यह वह समय होता है जब हमें अपने गुस्से को नियंत्रित करना काफी मुश्किल लगता है।

यही आज की बाइबल कहानी में हुआ। दाऊद इसलिए गुस्सा था क्योंकि उसके साथ बुरा व्यवहार किया गया था। दाऊद अपने संग के 600 लोगों के साथ यात्रा कर रहा था। वह अपने कुछ लोगों को नाबाल के पास एक उपकार की अपेक्षा करते हुए भेजता है, कि वह उसके लोगों को खाना खिलाए जब वे उसके क्षेत्र से होकर गुजरते हैं। इसलिए कि दाऊद काफी लम्बे समय से नाबाल की कई बातों में मदद कर रहा था, और उसके समय और धन की रखवाली कर रहा था, तो यह दाऊद का एक अधिकार था कि वह भी बदले में नाबाल से कोई मदद मांगें। जबकि, नाबाल ने साफ मना कर दिया, ''नहीं''!

इसलिए दाऊद गुस्सा हो उठा, और नाबाल से बदला लेने का निर्णय लेता है। दाऊद अपने 400 लोगों के साथ नाबाल को मारने के लिए जाता है, लेकिन अबीगैल (नाबाल की पत्नी) को इस खतरे की खबर दी जाती है, और वह तुरंत वहां से निकलकर दाऊद से मिलने की तैयारी करती है। वह उन 600 लोगों के लिए एक बढ़िया भोजन तैयार करती है, और दाऊद से मिलने को जाती है। वह नम्रता से झुकती है, नाबाल के व्यवहार के लिए माफी मांगती है, और अपने साथ लाया हुआ भोजन देती है। ऐसा दिखता है कि अबीगैल ने नाबाल के जीवन को बचा लिया। बाइबल इस कहानी को बताकर यह दिखाता है कि दाऊद के पास गुस्सा करने का पूरा अधिकार था।

हालांकि, जब अबीगैल ने दाऊद को अपने आप से ही प्रतिशोध लेने से रोका, तो कहानी बदल जाती है, और ऐसा लगता है कि अबीगैल नाबाल की अपेक्षा दाऊद की अधिक बचाव कर रही थी। दाऊद के पास अपना प्रतिशोध लेने को पूरा अधिकार हो सकता था, लेकिन यह अच्छा नहीं होता। वह सही हो सकता था, लेकिन आशीषित नहीं होता।

हालांकि ऐसा लगता है कि अबीगैल ने नाबाल को बचा लिया, लेकिन वास्तव में उसने दाऊद को अपने ही गुस्से से बचा लिया। इस परिस्थिति में गुस्सा होने से ज्यादा अच्छा धीरज धरना था। आखिर में, परमेश्वर नाबाल को दाऊद के विरोध में किए गए गलत कार्य के लिए दंड़ देता है।

जब हम गुस्से और धीरज के बीच निर्णय लेने का सामना करते हैं, तो हम भी अपने आप से यही सवाल पूछ सकते हैं: ''क्या हम केवल सही बनना चाहते हैं, और आशीषित नहीं बनना चाहते? या ऐसे उत्तम तरीके को चुनें जो अधिक आशीष की ओर ले जाता है?

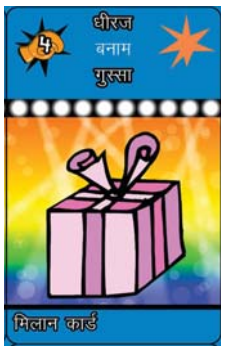




www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

## पहेली के जवाब

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| या | स्‍ | अं | गु | दा | ऊ | द | आ | ख | त | रा |
| त्रा | तु | धा | स्‍ | अ | ब | स | शी | ह्व | द | य |
| कि | ति | क | सा | बी | द | ही | षि | भो | अं | गु |
| या | सु | र | क्षा | गै | ला | स्‍ | त | ज | प | प |
| भा | व | ना | बा | ल | ग | ल | त | न | र | क |

गुस्सा
भावना
अंधा करना
गलत
सही
दाऊद
नाबाल
अबीगैल
बदला
खतरा
भोजन
यात्रा किया
सुरक्षा
आशीषित

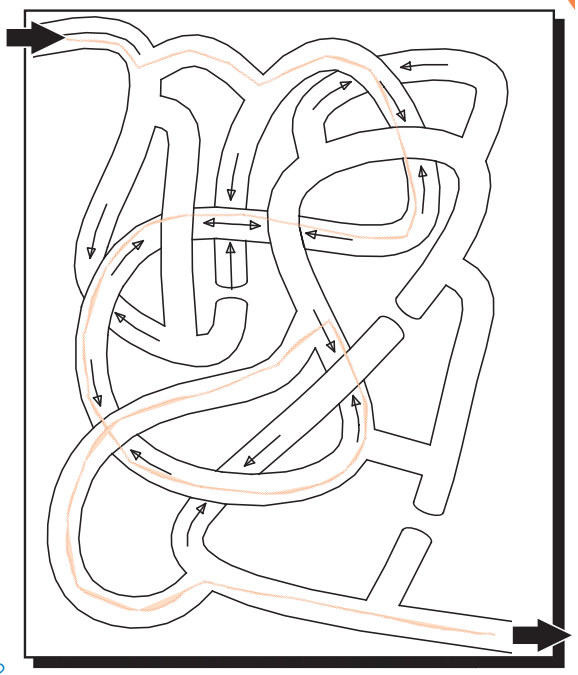

## याद करने की आयतों का खेल

*एक वक्त में एक शब्द*

बोर्ड पर याद करने की आयत के पहले शब्द को लिखो। बच्चे तब उस आयत के बाकी शब्दों को लिखने की कोशिश करेंगे।

## सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. जब हमारे साथ बुरा होता है फिर भी अगर हम गुस्सा करते हैं तो उसमें क्या गलत बात है?
जब कोई हमारा बुरा करता है तब अगर हम गुस्सा करते हैं तो यह परमेश्वर पर भरोसा रखने की कमी का हमारा एक बाहरी प्रदर्शन होता है। यह हमारे हदय की स्वार्थता को दिखाता है। जबकि, किसी दूसरे के साथ बुरा होते हुए देखकर क्रोधित होना उनके प्रति प्रेम और भलाई को दर्शाता है। हम जो हमारे गुस्से में होकर करते हैं वह पाप हो सकता है, इसलिए हमें बहुत सावधान रहने की जरूरत है।

2. क्या आपके साथ कभी गलत व्यवहार किया गया जबकि आप बिल्कुल सही थे? स्पष्ट कीजिए। अपने विद्यार्थियों को एक अवसर दीजिए कि वे उन विभिन्न परिस्थितियों पर चर्चा कर सके जहां पर वे महसूस करते थे कि उनके साथ गलत हुआ था। चर्चा कीजिए कि यह कहीं उनकी गलती तो नहीं थी। एक बार जब आप यह साबित कर लेते हो कि यह आपकी गलती नहीं थी, तो उस धीरज के विषय में बातचीत कीजिए जो बदला न लेने के लिए आवश्यक होती है।

3. क्या परमेश्वर हमेशा मेरा पलटा लेगा? गलतियों के प्रति हमारे गुस्से को अलग रखने का एक कारण यह यकीन हो सकता है कि परमेश्वर पलटा लेता है और वह हर किसी को उनके कामों के अनुसार बदला देता है। समस्या तब आती है जब हम चाहते हैं कि परमेश्वर हमारा पलटा इसी दुनिया में और हमारे ही जीवनकाल में ले। परमेश्वर हर किसी को पलटा देगा, लेकिन हम नही जानते कि कब, कहां या यहां तक कि क्या यह हमारे जीवन में होगा कि नहीं।

### रिंग के अंदर

कुछ छोटे सामानों को उपहार के रूप में देने के लिए खरीदो। जब आप गुस्सा होते हो, तो आप किसी ऐसे को एक उपहार दें जिससे आप गुस्सा हो। लोगों को छोटे छोटे उपहार देकर अपने गुस्से को कुचलने की कोशिश करें, और अपने धीरज को बढ़ते हुए देखो।



www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

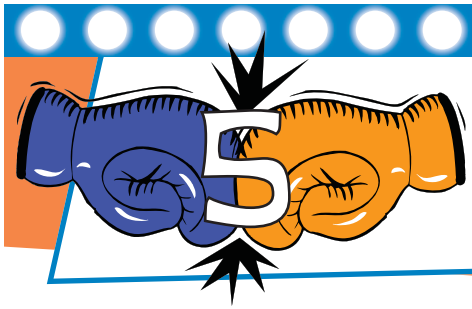

# धीरज बनाम अधिकार

*बाइबल की कहानी:* मन्ना और बटेरें

निर्गमन 16:1—18

## नाटक

बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी को स्कूल में दोपहर का खाना दिया जाता है। यह कोई बहुत बढ़िया खाना नहीं था लेकिन पर्याप्त था। फ्रेडी ऊंची आवाज़ में शिकायत करता है कि उसका खाना बहुत बढ़िया नहीं है। लेकिन विक्की शांत रहकर परमेश्वर को उस खाने के लिए धन्यवाद देता है, जो उसे दिया गया है।

याद करने की आयत

**तुम भी धीरज धरो, और अपने हृदय को दृढ़ करो, क्योंकि प्रभु का शुभागमन निकट है। हे भाइयों, एक दूसरे पर दोष न लगाओ ताकि तुम दोषी न ठहरो, देखो, हाकिम द्वार पर खड़ा है। - याकूब 5:8-9**

## मुख्य पाठ

विद्यार्थियों, इस हफ्ते हमारा मैच संघर्ष धीरज और अधिकार के बीच में होगा। अधिकार का अर्थ होता है जब एक व्यक्ति ऐसा विश्वास करता है कि उसे कुछ सौभाग्य प्राप्त है और अक्सर वे इसके बारे में अधिक गर्व महसूस करते हैं। ऐसा अक्सर धनी देशों में पाया जाता है जहां पर लोग ऐसी अपेक्षा करते हैं कि उनके पास वे सब कुछ होना चाहिए जो वे चाहते या जिनकी उन्हें जरूरत होती है। अधिकार गरीब देशों में भी पाया जा सकता है, जहां पर वे ऐसा महसूस करते हैं कि उनके पास मांगने का अधिकार होता है क्योंकि उन्हें भी उसी तरह दिया जाना चाहिए जैसा कि दूसरों को दिया जाता है। इनमें से कोई भी मनोभाव उचित नहीं होता।

परमेश्वर हमसे धीरज धरने और अपने जीवन में उस पर भरोसा रखने की अपेक्षा करता है। आज की बाइबल कहानी में, इस्त्राएल के लोग अपने आप को एक जरूरत के स्थान पर पाते हैं, और परमेश्वर से मांगना और याचना करना शुरू कर देते हैं। बाइबल बताती है कि वे परमेश्वर के विरूद्ध कुड़कुड़ाने लगे, और यह कहकर शिकायत करने लगे कि अच्छा होता कि अगर वे मिस्त्र में ही रहते बजाय इसके कि वे जंगल में परमेश्वर के पीछे चलते रहे। वे चिल्ला उठे कि मिस्त्र में मर जाना ज्यादा पसंद करते। लेकिन तभी अप्रत्याशित बात घटी! परमेश्वर ने अद्भुत तरीके से उनके लिए प्रबंध किया, आसमान से मन्ना और बटेरों को नीचे भेजकर! हर सुबह वहां पर खाने के लिए रोटी होती, जो कि छिलके की तरह दिखती थी
जिन्हें वे मन्ना कहते थे। साथ ही, हर शाम को उन्हें खाने के लिए मांस मिलता था जिसे परमेश्वर उनके लिए बटेरों के रूप में भेजता था।

हालांकि, यद्यपि परमेश्वर ने उनके लिए ये चमत्कार किए, फिर भी वे लगातार कुड़कुड़ाते रहे। गिनती 11:6 में लिखा है कि लोग अब यह शिकायत करने लगे, ''परन्तु अब हमारा जी घबरा गया है, यहां पर इस मन्ना को छोड़ और कुछ भी देख नहीं पड़ता!''

परमेश्वर इस्त्राएलियों पर उनके कुड़कुड़ाने और शिकायत करते रहने के कारण क्रोधित हो उठे। उनके अंदर अपने अधिकार का एक एहसास था, जहां पर उन्हें लगता था कि वे अपने भोजन के लिए परमेश्वर से मांग कर सकते हैं। वास्तव में, हममें से कोई भी किसी दूसरे का कर्जदार नहीं है। हम कभी भी परमेश्वर, हमारी सरकार, हमारे माता—पिता, हमारी कलीसिया या किसी विदेशी से कुछ मांग नहीं कर सकते। हमारे अंदर इस तरह के अधिकार की भावना की बजाय धीरज होना चाहिए।

## याद करने की आयतों का खेल

*म्यूज़िकल चेयर्स*

हर बच्चे के लिए एक कुर्सी की व्यवस्था करो और उन्हें एक गोल घेरे में रखो। रंगीन कागज के विभिन्न टुकड़ों को काटो और उन्हें कुर्सी के पीछे ले जाएं। हर रंग कम से कम तीन कुर्सियों पर टेप से चिपकाया जाना चाहिए। संगीत शुरू करें और बच्चों को उन कुर्सियों के चारों तरफ चलने को कहें। जब संगीत रूक जाता है, तो बच्चों को तुरंत बैठना होता है। तब अध्यापक किसी एक रंग का नाम लेता है, तब जो कोई उस पर बैठा होता है जिस पर वह रंग लगाया गया है, उन्हें खड़े होकर आयत को बोलना होता है। अगर अध्यापक लाल रंग बोलता है, तो वे सभी बच्चे जिनकी कुर्सी के पीछे लाल रंग लगा होता है, उन्हें खड़े होकर मिलकर आयत को बोलना होगा।

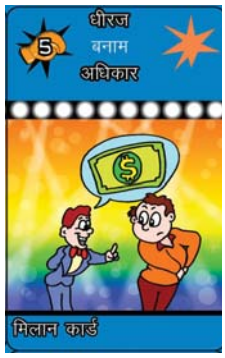


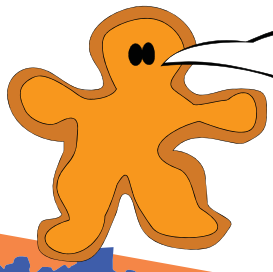

मुझे विश्वास है कि मैं इन सबका हकदार हूं, जितना कि मेरे ये बुलबुले छोटे हाथ उठा सकते हैं!



www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

## पहेली के जवाब

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| जि | प | भ | रो | सा | म | सौ | ह्न | द | य |
| द् | ह | क | दा | र | सी | भा | श | अ | क |
| दी | ग | मे | सा | या | ही | ग | मे | धि | अ |
| अ | क | श | र | च | वा | य | दे | का | श |
| कु | ड़ | कु | ड़ा | ना | च | म | त्का | र | ब |
| स | व्य | प | अ | क | दा | न्ना | श | धी | टे |
| तु | कि | प | प | र | मे | श | व | र | रें |
| ति | त | मां | ग | ना | अ | क | र | ज | प |

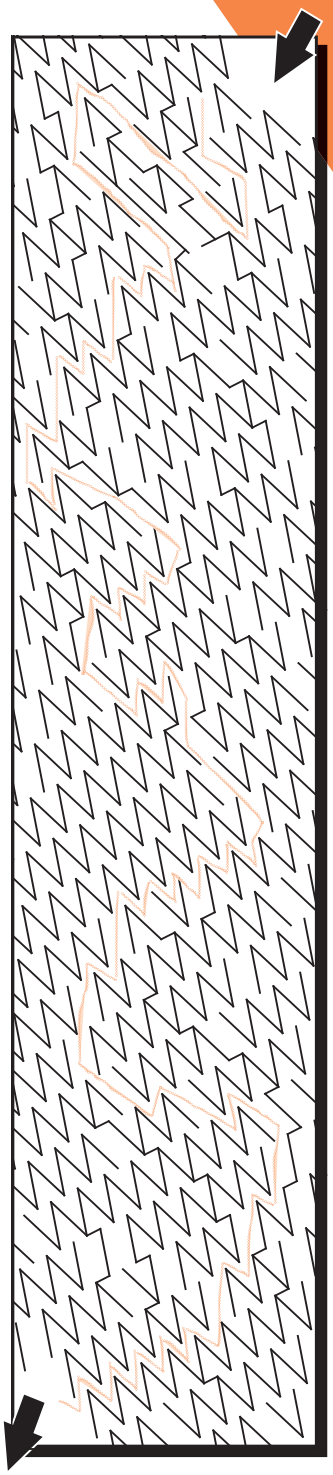

अधिकार सौभाग्य परमेश्वर मन्ना कुड़कुड़ाना
व्यक्ति जिद्दी धीरज बटेरें याचना करना
हकदार मांगना भरोसा चमत्कार

## सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. वे कौन सी बातें हैं जो आप अपनी सरकार से पाने की अपेक्षा करते हो? उन अलग अलग कार्यक्रमों पर चर्चा करों जो आपकी सरकार चला रही है, और किसी तरह से उन कार्यक्रमों के द्वारा आपको लाभ मिलने की उम्मीद है। क्या आपका कोई पड़ोसी देश है जिनका कोई अलग कार्यक्रम हैं जिन्हें सब लोग जानते हैं?
2. क्या लोग उन बातों के लिए शिकायत करते हैं जो उनके पास नहीं है, या जो उनके पास है उनके लिए घमंड़ करते हैं? लोग अक्सर क्या कहते हैं जब वे उन चीज़ों या बातों के लिए कुड़कुड़ाते या शिकायत करते हैं जो उनके पास नहीं है? आपके इलाके या देश में पाए जाने वाले सामान्य शिकायतों पर चर्चा करें। अपने विद्यार्थियों के साथ खेलें, और उन शिकायत करनेवाले तरीकों को हल्के मज़ाक में उड़ाएं। सावधान रहें, लेकिन चिढ़ाने को केवल एक उपकरण की तरह ही इस्तेमाल करें, ताकि आपके विद्यार्थी यह देख सके कि कुड़कुड़ाना और शिकायत करना कभी भी अच्छी बात नहीं होती, बल्कि एक बुरा मनोभाव होता है।
3. क्या आपको कभी परमेश्वर के सामने कुछ मांग रखने का प्रलोभन हुआ है? इस बात पर चर्चा करें कि परमेश्वर के सामने मांग रखना क्या होता है। उदाहरण के लिए, अगर हम गुस्सा होते हैं जब एक व्यक्ति जल्दी चंगा नहीं होता या, जल्दी ठीक नहीं होता, तो हम अक्सर परमेश्वर पर दोष लगाते हैं। जब कोई आपसे कोई चीज़ चुरा लेता है, तो उस चोर पर गुस्सा आना स्वाभाविक बात होती है। जबकि, अगर हम यह पाते हैं कि परमेश्वर ने उन चोरों से हमारी सुरक्षा नहीं की, तो यह दिखाता है कि हम परमेश्वर से सुरक्षा की मांग कर रहे थे।

### रिंग के अंदर

इस हफ्ते आप किसी से कुछ नहीं मांगेगे। हर बार जब आप किसी से कुछ मांगना चाहते हो, तो अपने आप को रोको। हर बार जब आप अपने आप को किसी से कुछ मांगने के लिए रोकने में सफल होते हो जैसा कि खाना, पक्ष, समय, या मदद, तो आप इस पाप पर जय पाते जाते हो।



www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

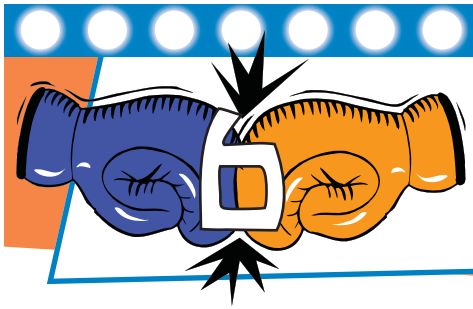

# कृपा बनाम तुलना

*बाइबल की कहानी:* राजा शाऊल और दाऊद

1 शमूएल 18:5—16

## नाटक

एक बड़े फुटबॉल खेल में, बुद्धिमान विक्की दो गोल करता है, जबकि मूर्ख फ्रेडी 1 ही गोल कर पाता है। सब कोई विक्की के लिए ताली बजाते हैं। उधर फ्रेडी यह देखकर पागल हो उठता है कि लोग विक्की की सफलता का जश्न मना रहे थे।

याद करने की आयत

**पर हर एक अपने ही काम को जांच ले, और तब दूसरे के विषय में नहीं परन्तु अपने ही विषय में उसको घमण्ड करने का अवसर होगा। - गलातियों 6:4**

## मुख्य पाठ

इस हफ्ते हम आत्मा का फल ''कृपा'' के विषय में पढ़ रहे हैं और हम देखेंगे कि किस तरह से तुलना करना कृपा के रास्ते में बाधा पहुंचा सकती है। तुलना करना उन सभी के लिए काफी दर्दनाक होता है जो इसमें सम्मिलित होते हैं। यह तब होता है जब हम दूसरों के वरदान, काबिलियत, समय या धन की दूसरों के साथ या अपने साथ तुलना करते हैं।

इस हफ्ते के बाइबल कहानी में, हम राजा शाऊल को दाऊद से ईर्ष्या करते हुए देख सकते हैं, और वह इससे काफी क्रोधित हो उठता है। जबकि, दिलचस्प बात यह है कि उसकी ईर्ष्या तब शुरू होती है जब भीड़ ने इन दोनों लोगों की तुलना की। जब तक भीड़ ने उन दोनों की तुलना नहीं की, तब तक शाऊल दाऊद से गुस्सा नहीं था! यहां तक कि, राजा शाऊल को अच्छा लगता था जब दाऊद उसके लिए वीणा बजाता था। वह तब भी अभारी था जब दाऊद ने गोलियत को मारा।

तब तक सब कुछ अच्छा चल रहा था जब तक कि स्त्रियां उस तुलनात्मक गीत को गाने के लिए बाहर नहीं आयी। गोलियत और पलिश्तियों से लड़ने के बाद सभी सैनिक अपने घर की ओर जा रहे थे, और तब वे स्त्रियां बाहर नाचते हुए निकल आई और गाने लगी, ''शाऊल ने हजारों को मारा, दाऊद ने लाखों को मारा।''

हम उन स्त्रियों पर आरोप नहीं लगा सकते जिसके कारण से शाऊल के हृदय में ईर्ष्या ने जन्म लिया। राजा शाऊल अपने खुद के कामों के लिए स्वयं जिम्मेदार थे। हालांकि, यह ध्यान देना काफी दिलचस्प है कि यह सब तब शुरू होता है जब उन स्त्रियों ने आकर सार्वजनिक रूप से उन पुरूषों की तुलना की, और दाऊद को राजा से अधिक ऊंचा बना दिया। इस समय में, दाऊद ने राजा से अधिक लोगों को नहीं मारा था। दाऊद ने केवल गोलियत को मारा था!

यह बहुत आसान होता है कि हम दूसरों के साथ अपनी तुलना करते हैं। हालांकि, यह अच्छा नहीं होता, यह दूसरों के प्रति कृपा नहीं होती, और परमेश्वर हमें ऐसा करने से मना करते हैं। परमेश्वर चाहते हैं कि हम केवल अपने को देखें, और केवल अपना ही न्याय करें और तुलना करें कि परमेश्वर हमसे क्या कहना चाहते हैं। एक तरीका है जब हम सार्वजनिक रूप से दूसरों से तुलना करते हैं वह सोशल मीडिया होता है जैसे कि फेसबुक। हम तस्वीर को पोस्ट करते हैं और अपने जीवन को दूसरों के जीवनों से तुलना करते हैं। यहां तक कि ज्यादा बुरा तब होता है जब हम सार्वजनिक रूप से दूसरे लोगों के साथ तुलना करते हैं, जैसा कि हमारे बाइबल कहानी में स्त्रियों ने किया।

हम अन्य सेवकाईयों को देखते हैं, उनसे तुलना करते हैं, और उनके बीच गुस्सा या झुंझलाहट को पैदा कर सकते हैं। या कोई एक बड़ी गवाही को बांटता है, तो दूसरा कोई ''खड़े होकर'' दूसरी उससे भी अच्छी गवाही देने की कोशिश करता है। क्या आपने कभी ऐसा कोई व्यक्ति देखा है जो एक बड़ी पार्टी का आयोजन करता है, और दूसरा कोई उससे भी बड़ी पार्टी देता है?

आइए, हम तुलना करते हुए दूसरों के प्रति कठोर न बनें, बल्कि भिन्नता और समानता को बिना किसी तरह की ईर्ष्या के अपनाने की कोशिश करें!

## याद करने की आयतों का खेल

*वाक्य बनाओ*

अपनी कक्षा को दो या तीन समूहों में विभाजित करो, और हर समूह को अक्षरों से युक्त दाल या पास्ता का एक कप दो। बच्चों से कहें कि वे उन अक्षरों का इस्तेमाल करते हुए याद करने की आयत के शब्दों को बनाएं। जो समूह सबसे अधिक शब्दों को बनाता है, वह समूह विजयी होता है।

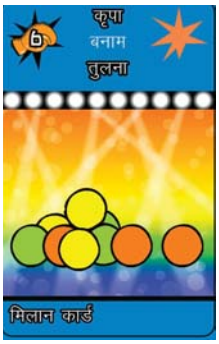




www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

# पहेली के जवाब

कृपा
दूसरे
लोग
काबिलियत
पैसा
जलन
दाऊद
शाऊल
स्त्रियां
चिल्लाया
ईर्ष्या
तुलना करना
अलग
समान

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्र | भु | ज | ई | लो | तु | लो | ई |
| दू | ल | ल | ऊ | अ | ल | ग | ष |
| स | मा | न | पै | पा | ना | या | र्या |
| रे | प | प | सा | ह | क | दा | र |
| चि | ल | ला | या | या | र | ऊ | ल |
| का | बि | शा | ऊ | ल | ना | द | रि |
| म | कृ | पा | सा | र | तु | र | त्र |
| का | बि | लि | य | त | पै | म | यां |

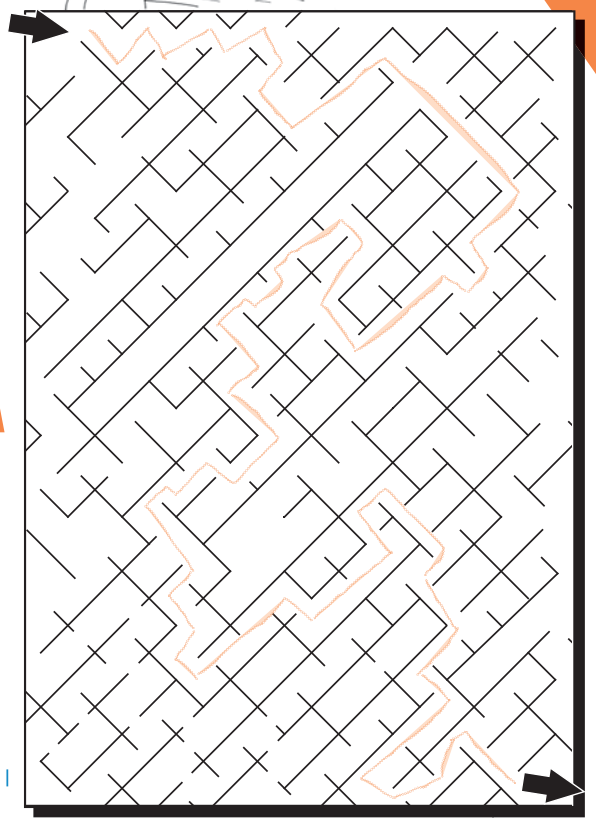

# सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. किनके साथ सामान्य रूप से अपने आप की तुलना करते हो? यह आपको कैसा महसूस कराता है? अपने विद्यार्थियों को कुछ समय दो कि वह तुलना के बारे में खुलकर बांट सके। उनसे यह न कहें कि उन्हें तुलना नहीं करनी चाहिए, बल्कि इस चर्चा को भावानाओं में परिवर्तित करते जाओ। जब वे इस बात पर बातचीत करेंगे कि
तुलना करना कितना दर्दनाक होता है, तो वे स्वाभाविक रूप से भविष्य में ऐसा करना रोक देंगे।

2. किन तरीकों से आप फेसबुक या अन्य सोशल मीडिया में अपने दोस्तों के बीच तुलना को देख सकते हो? विद्यार्थियों को लोगों के अवकाश के दौरान लिए तस्वीरों, सुंदर सैल्फी, पसंद की गई मात्रा या ऑनलाईन दोस्तों की गिनती पर बातें करने दो। बतायें कि तुलना करना कितना दर्दनाक होता है, और किस तरह से फेसबुक हमारे वास्तविक जीवन को नहीं दिखाता।

3. क्या आपके समुदाय के लोगों में बड़े और बेहतर पार्टियां होती है? किस तरह से? आपके समुदाय में पार्टियों की तुलना करना कितनी आम बात है? लोग इन बातों की तुलना करते हैं कि कितना भोजन परोसा गया, किस तरह का खाना परोसा गया, पीने के लिए क्या दिया गया, क्या कार्यक्रम हुए, सजावट कैसी थी ,क्या संगीत लाइव बैंड था या डी जे, जो स्थान लिया गया वह कैसा है, कितने समय तक चला, उपहार जो दिए गये, खूबसूरत लोग, और कुल मिलाकर कितने लोग उपस्थित हुए। इस बात की चर्चा करें कि तुलना करना कितना गलत है।

## रिंग के अंदर

हफ्ते के शुरूआत में अपने पास 20 गेंद लेकर रखो। हर बार जब आप अपने आप को किसी से तुलना करते हुए पाते हो, तो उन गेंदों में से एक को कम करो। इसमें फेसबुक या अन्य ऑनलाइन एप्लीकेशन्स् भी सम्मिलित हैं जहां पर हम अपने आप को दूसरों से तुलना करते हैं। अगर आपको जरूरत पड़े, तो पूरे हफ्ते फेसबुक का उपयोग न करें।



www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

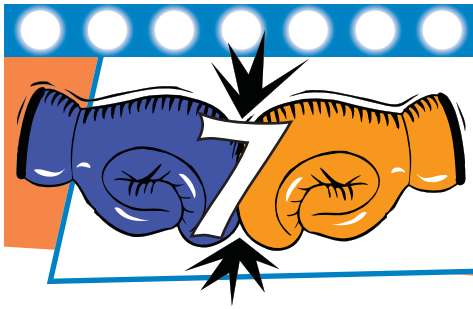

# कृपा बनाम धोखा

*बाइबल की कहानी:* पतरस यीशु का इन्कार करता है

मत्ती 26:31–35, 69–75

## नाटक

बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी दोनों के हाथों से गलती से एक एक लैंप टूट जाता है जब घर में कोई भी नहीं था। फ्रेडी उन टूटे शीशों को छुपा देता है और जब उसका पिता इसके बारे में पूछता है, तो वह कहता है कि वह इसके बारे में कुछ नहीं जानता। जबकि विक्की के पिता अपने घर पहुंचता है तो वह उन्हें सबकुछ सच सच बता देता है।

याद करने की आयत

**मैं निकम्मी चाल चलनेवालों के संग नहीं बैठा, और न मैं कपटियों के साथ कहीं जाऊंगा**

भजन संहिता 26:4

## मुख्य पाठ

इस हफ्ते हमारा मैच संघर्ष धोखे के साथ है, एक ऐसा पाप जहां पर हम सत्य को छुपाते हैं। भजन 101:7 में परमेश्वर कहता है,, ''जो छल करता है वह मेरे घर के भीतर न रहने पाएगा; जो झूठ बोलता है वह मेरे सामने बना न रहेगा।'' अगर आप ''धोखा'' या ''छल'' शब्द पर अध्ययन करोगे तो पाओगे कि इसे कई बार बाइबल में वर्णन किया गया है, परमेश्वर इसे बिल्कुल पसंद नहीं करता। लेकिन क्यों? हम सभी कभी न कभी छोटे छोटे झूठ बोलते रहते हैं। उदाहरण के लिए, हम किसी से कहेंगे कि उसका बच्चा कितना सुंदर है, जबकि सच में हम सोच रहे होंगे कि यह कितना बदसूरत है! हम सब जानते हैं कि इन समयों में जहां पर हम पूरा सत्य नहीं बोलते, वह इतना बुरा नहीं होता। तो फिर छल या धोखा देना परमेश्वर की नज़र में इतना घृणित क्यों हैं? दाऊद कहता है, 'मैं धोखेबाज लोगों के साथ नहीं बैठूंगा, और न ही मैं कपटियों के साथ मिलूंगा।'' यहां पर दाऊद एक धोखेबाज व्यक्ति को कपटी के साथ तुलना करता है! शायद यह हमारी मदद इस बात को समझने में कर सकेगा कि परमेश्वर कितना ज्यादा छल का नपसंद करता है, क्योंकि हम सब कपटी के विचार से घृणा करते हैं। मैं एक प्रसिद्ध प्रचारक के पीछे कई साल तक चली, जो निरंतर सच्चाई के विषय में सिखाता था। फिर एक दिन मैंने पाया कि वह जवान लड़कियों को पीड़ित किया करता था। जो स्वाभाविक गुस्सा जो मेरे हृदय में उमड़ आया वह बयान से बाहर था! मैं उनके द्वारा दिए गये सभी शिक्षाओं को कूड़ेदान में फेंक देना चाहती थी। यह प्रचारक यह भी नहीं जानता था कि मैं कौन हूं, लेकिन वह मेरी नज़र में गिर चुका था। उसने मुझे धोखा दिया और मेरे साथ छल किया।

इस हफ्ते की बाइबल कहानी प्रेरित पतरस के ऊपर है। उसने भी एक दिन एक गलती की जिसने उसे भी एक कपटी बना दिया था। लेकिन अद्भुत बात यह है कि पतरस ने अपने पाप से मन फिराया, और यीशु ने उसे माफ कर दिया। अगर आप और मैं धोखा करते हुए पकड़े जाते हैं, तो हमें भी माफी मिल सकती है। दुर्भाग्य से, उस प्रचारक ने अपने पाप से मन नहीं फिराया, और लगातार प्रचार कर रहा है जैसा कि उसने कभी कोई गलत काम न किया हो।

बाइबल कहानी में, एक दिन जब यीशु और उसके शिष्य फसह का भोज कर रहे थे, तब यीशु ने उनसे कहा कि वे सब ठोकर खाएंगे। जबकि, पतरस तब वहां पर उठकर कहता है, ''यदि सब ठोकर खाएं तो खाएं, पर मैं ठोकर नहीं खाऊंगा।'' यीशु तब बताता है कि उसी रात मुर्गे के बांगने से पहले पतरस तीन बार उसका इंकार करेगा। पतरस इसे सुनकर भयभीत हो गया होगा, लेकिन उसी समय उसने निश्चय कर लिया कि वह इसे सच नहीं होने देगा। जबकि, यीशु ने सही कहा था। उसी रात पतरस तीन बार यीशु का इंकार करता है। वह न केवल उसे न जानने का अभिनय कर रहा था, बल्कि शपथ और कसम खाकर कह रहा था कि उसने कभी इस व्यक्ति को पहले नहीं जाना। उस बिन्दु पर, मुर्गा बांग देता है। यीशु का एक बड़ा शिष्य वहां खड़ा होकर सार्वजनिक रूप से सबसे कह रहा था कि उसका यीशु के साथ कोई मित्रता नहीं थी। इसने यीशु के हृदय को तोड़ दिया होगा। हमारे द्वारा किया गया छल और धोखा, परमेश्वर के हृदय को भी तोड़ देता है। हमें आभारी होना चाहिए कि अगर हम परमेश्वर से अपने पापों के लिए माफी मांगेंगे, मन फिराएंगे और बदल जाएंगे, तो परमेश्वर हमें माफ कर देंगे।

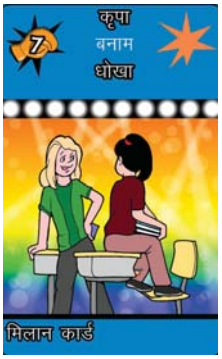




www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

## पहेली के जवाब

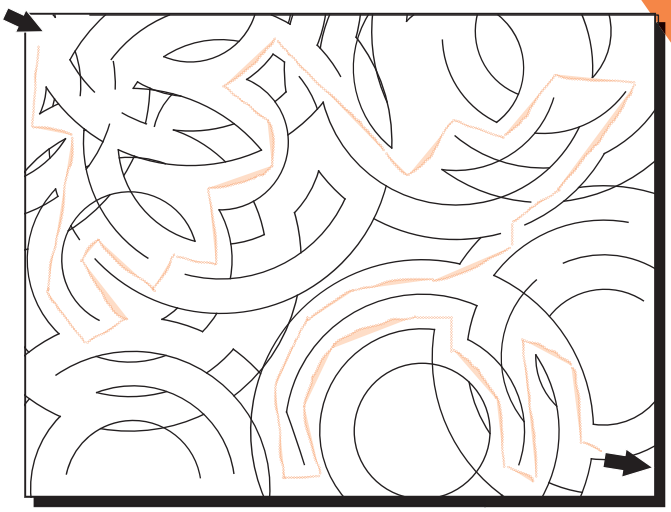

झगड़ा
छिपना
सच्चाई
सीधाई
प्रचारक
शिक्षाएं
पतरस
मन फिराना

पाप
धोखा
कपट
जीना
इंकार
माफी

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भ | र | पा | क | म | झ | स | इं | प्र | भु | ह | शि |
| रो | ह्न | प | र | न | ग | च | का | शि | धो | क | क्षा |
| सा | द | जी | ना | फि | प्र | चा | र | क | खा | दा | एं |
| वा | य | दे | दा | रा | ड़ा | ई | भ | प | त | र | स |
| मा | फी | छि | प | ना | झ | ग | ड़ा | ट | सी | धा | ई |

## याद करने की आयतों का खेल

चित्र बनाओ

बच्चों को आयत लिखने दो, और उन शब्दों के लिए जितना हो सके उतने चित्र बनाओ।

## सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. कपटी होना क्या होता है? अपने विद्यार्थियों से इस बारे में चर्चा करें कि किस तरह से एक कपटी बातें अलग तरह से करता है और जीवन अलग तरह से जीता है। सबसे ज्यादा परेशान करने वाले कपटी वे होते हैं जो उस विषय पर उत्साह के साथ प्रचार करते हैं जिसपर वे बिल्कुल जीना नहीं चाहते।
2. क्या आप कभी किसी प्रकार की कलीसियाई घोटाले से परेशान हुए हो? वह क्या था? हम सभी मनुष्य है और गलतियां करते हैं। यह हमारे लिए महत्वपूर्ण होता है कि हम कभी अपना भरोसा किसी प्रचारक पर नहीं बल्कि प्रभु यीशु पर रखें। इस व्यक्ति को ''घूंसे'' न मारें, बल्कि चर्चा करें कि बाइबल में से जो कुछ हम जानते हैं उनका प्रचार करना कितना आसान होता है, लेकिन उस पर जीना कितना कठिन होता है।
3. सच को छुपाना कब सही होता है?अपने विद्यार्थियों से उन समयों के बारे में चर्चा करें जबकि छल सही लग सकता है। क्या हो अगर कोई आपसे पूछे कि वह बदसूरत लग रहा/रही है? ऐसा कहना उनके प्रति ठीक नहीं होगा। इसके साथ ही, क्या हो कि अगर कोई आपसे किसी रहस्य को छिपा कर रखने को कहे? क्या यह तब सही है कि दूसरों से झूठ बोलें, और दिखावा करें कि आप उस रहस्य के बारे में कुछ नही जानते।

### रिंग के अंदर

इस हफ्ते, किसी ऐसे व्यक्ति के पास जाएं जिनसे आपने झूठ बोला था, और जाकर उसको सच बताओ। उस झूठ के लिए माफी मांगें, और उनसे कहें कि आपको क्षमा कर दे। हर बार जब आप लौटकर जाते और जाकर सच बोलते हो तो यह इस पाप पर एक बड़ी विजय होती है।



www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

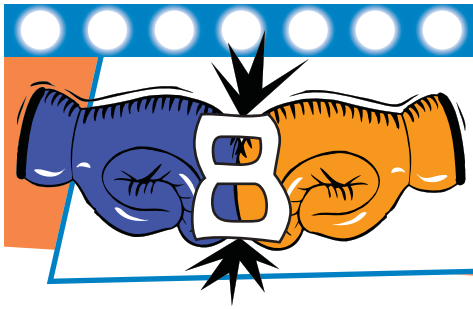

# कृपा बनाम अलगाव

*बाइबल की कहानी: रूत* और नाओमी

रूत 1:8–22

## नाटक

बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी बाहर टहलने के लिए जाते हैं और किसी ऐसे व्यक्ति को देखते हैं जिसके साईकिल पर काफी सारा बोझ रखा हुआ था। फ्रेडी कहता है कि यह उसकी समस्या नहीं है और वहां से चला जाता है। विक्की वहां रूककर उस साईकिल को धक्का देने में मदद करता है।

याद करने की आयत

**जिनका भला करना चाहिये, यदि तुझ में शक्ति रहे, तो उनका भला करने से न रूकना। - नीतिवचन** 3:27

## मुख्य पाठ

इस हफ्ते हम अलगाव बनाम कृपा के बारे में सीख रहे हैं। अलगाव अलग रहने की एक प्रवृत्ति होती है, या किसी जुड़ाव को बनाने में नाकाम होना होता है। यह एकता की बजाय दूरी को लेकर आता है। दूसरों के प्रति कृपा दिखाने की बजाय, हम कहते हैं, ''यह मेरी समस्या नहीं है।'' आज के समय में ज्यादा से ज्यादा, हम अलग होते जा रहे हैं। हम पारिवारिक ईकाइयों में रहते हैं, और हममें यह भावना नहीं होती कि बाहर के किसी जन या हमारे समूह से बाहर रहने वाले किसी की मदद करे। हालांकि, यह वह जीने का तरीका नहीं है जो परमेश्वर हमारे विषय में चाहता है।

कृपा का एक अच्छा उदाहरण अफगान में पाए जाने वाले एक जाति के लोगों का है जिन्हें ''पुश्तनवाली'' कहा जाता है जहां पर उनके ऊपर किसी एक व्यक्ति की पूरी सुरक्षा की जिम्मेदारी होती है कि वे उसे किसी भी कीमत पर उसके शत्रुओं से बचाएंगे। ऐसे कई कहानियां हैं जहां पर अफगानों ने किसी ऐसे व्यक्ति की रक्षा करने के लिए अपनी जान तक दे दी जिन्हें वे नहीं जानते थे। कृपा बनाम अलगाव का एक अन्य उदाहरण अंतर्राष्ट्रीय नौसेना कानून का हो सकता है। यहां पर कानून के अंतर्गत अपेक्षा की जाती है कि रूककर समुंद्र में किसी की मदद करना जिसे सहायता की जरूरत हो। किसी कानून के अंतर्गत, या केवल प्रवृत्ति से ही, नौसैनिकों को उन लोगों की मदद करनी होती है जिन्हें वे नहीं जानते। क्या हम उन लोगों की मदद करने के लिए ऐसे असाधारण काम करेंगे जिन्हें मदद की जरूरत हो, यहां तक कि उनके लिए कोई कानून या नियम न हो जो हमें बाध्य करता है?

आज की बाइबल कहानी में, रूत का पति मर जाता है, साथ ही साथ उसका ससुर और जेठ भी। उसके परिवार में, उसकी सास और जिठानी ओर्पा बाकी बच गये थे। न ही रूत, और न ही ओर्पा के कोई बच्चा था। नाओमी ने वापस अपने स्वदेश लौटने का फैसला करती है, लेकिन साथ ही अपने बहुओं से कहती है कि उन्हें उनके साथ जाने की जरूरत नहीं है, बल्कि चाहे तो वे अपने परिवारों में जा सकते हो और दुबारा शादी कर सकते हो। कोई भी लड़की नाओमी को अकेली जाने नहीं देना चाहती थी, लेकिन अधिक जोर डालने पर ओर्पा अपने परिवार में वापस लौटने का निर्णय ले लेती है। जबकि रूत, नाओमी के साथ जाने का निर्णय लेती है।

रूत नाओमी के साथ यात्रा करती है और जब अपने देश पहुंचती है तो वहां घर को ठीक–ठाक करने लग जाती है। वह खेत में जाकर काम करने लगती है ताकि दोनों के लिए खाने का इंतज़ाम कर सके। रूत ने वह सब किया जिससे वह अपनी सास के लिए हर तरह से मदद कर सके और उनकी देखभाल कर सके, लेकिन साधारण तरीके से अलग चल पड़ी। अंत में, परमेश्वर की आशीष से, रूत ने दोबारा शादी कर ली जिससे कि वह नाओमी के परिवार की नामावली को आगे ले जा सके। उसका पहला बच्चा नाओमी के पति के नाम पर रखा गया और इस तरह से रूत ने नाओमी के प्रति काफी कृपा दिखायी। उसने नाओमी से यह नहीं कहा, ''यह मेरी समस्या नहीं है।'' बल्कि उसने नाओमी के प्रति कृपा दिखायी और अपने कर्म औ वचन के द्वारा साधारण से कहीं ज्यादा बढ़कर किया। क्या हम भी कृपा दिखाने में रूत की तरह बन सकते हैं, अलग न होते हुए?

## याद करने की आयतों का खेल

*कागज के पर्चे*

एक कागज की पर्ची पर याद करने की आयत के किसी एक शब्द को लिखें। बच्चों को उन पर्चों को सही क्रम से रखना होगा। आप उन एक एक पर्चे को हर बच्चों के सामने किसी टेप से चिपका भी सकते हो और उन्हें एक क्रम से सीधे पंक्ति में खड़े भी करा सकते हो।

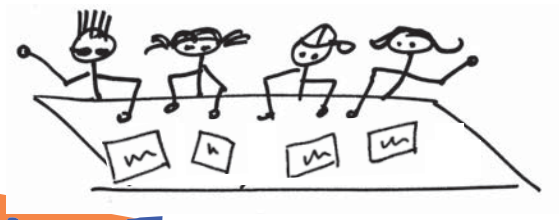

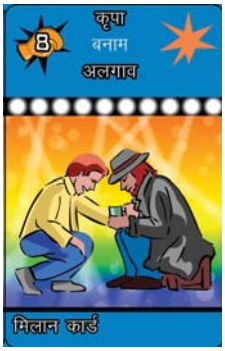




www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

## पहेली के जवाब

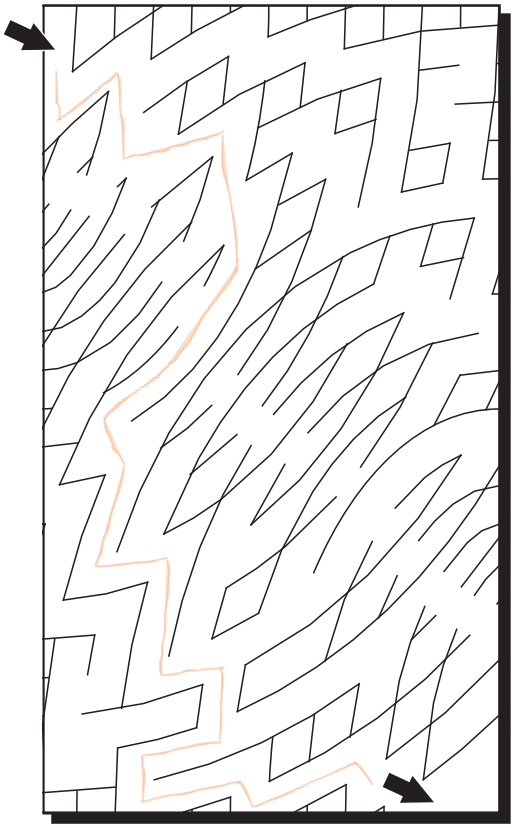

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दा | स्‍ | य | मी | गा | रू | जु | सा | व | धा | न | अ |
| सी | तु | कृ | सं | के | त | ड़ | दू | अ | ल | द | सं |
| स | ति | अ | ल | ग | हो | ना | स | म | स्‍ | या | के |
| प्र | वृ | त्ति | आ | वा | ह्न | ओ | रे | नो | रू | प | य |
| भु | गा | ह्न | द | य | द | मी | गा | भा | कि | स | का |
| ह | क | दा | र | दे | अ | ल | गा | व | द | हा | नू |
| अ | ल | गा | म | सी | ही | कृ | प | रा | ज | य | न |
| य | भ | रो | सा | स्‍ | तु | पा | स | म | स्‍ | ता | गा |

अलगाव
मनोभाव
अलग होना
पराजय
जुड़ना
किसका
समस्या
सहायता
दूसरे
संकेत
आदर
प्रवृत्ति
कानून
रूत
नाओमी

## सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. आपके समुदाय में वे कौन से कानून है जहां पर आप किसी जरूरतमंद की सहायता के लिए जिम्मेदार हो? इस बात पर चर्चा करें कि किस तरह से दुनिया के विभिन्न संस्कृतियों में अलग अलग तरह के अनकहे कानून होते हैं। हर समाज में कई अनकहे कानून होते हैं। क्या आपको किसी भिखारी को देखकर उसे कुछ देना होता है? अगर कोई बूढ़ी औरत सड़क पर गिर पड़े, तो क्या लोग वहां रूककर उसकी मदद करते हैं? अगर कोई बच्चा खो जाए, तो क्या लोगों को उसकी मदद करनी चाहिए?
2. आपके समाज में, किन तरीकों से लोग अक्सर कहते हैं कि ''यह मेरी समस्या नहीं है'' और मदद करने से इंकार कर देते हैं? अपने विद्यार्थियों से उनके समाज में पाए जाने वाले नियमों के बारे में चर्चा करो जहां वे रहते हैं, और जहां पर मदद न करना भी जायज़ माना जाता है। हर उदाहरण के लिए, उनसे चर्चा करें कि परमेश्वर वहां पर उनसे क्या अपेक्षा करता है?
3. मसीह की देह में एकता कैसे दिखती है? इस बात पर चर्चा करें कि आपके समुदाय में आपकी कलीसिया किस तरह दिखती अगर वे सचमुच एक होकर दुनिया को मसीह के लिए जीतने के लिए काम करते।

### रिंग के अंदर

किसी की मदद करने की कोशिश करें, खासकर अगर वह आपकी ''समस्या'' न हो तो। सड़क पर किसी बेघर व्यक्ति को कुछ दें, या स्कूल में किसी गरीब बच्चे को एक नई पेंसिल या रबड़ देकर उसकी मदद करें। निश्चित कर लें कि वह किसी भी तरह से आपसे जुड़ा हुआ न हो, या उसकी मदद करने की आपकी कोई जिम्मेदारी या जरूरत भी न हो।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

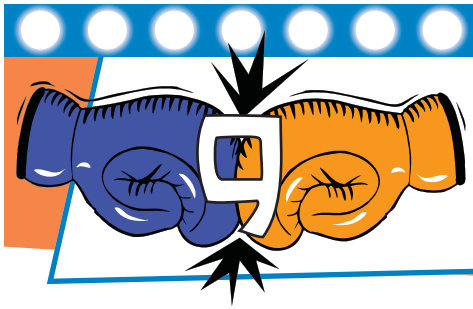

# कृपा बनाम बैर

*बाइबल की कहानी:* एस्तेर अपने लोगों को बचाती है

एस्तेर 3–5

## नाटक

मूर्ख फ्रेडी अपने भाई पर काफी गुस्सा होता है और उसका पसंदीदा खिलौना चुरा लेता है। बुद्धिमान विक्की उन समयों के बारे में बातें करता है जब उसके भाई ने उसके साथ खिलौने और कैंडी को बांटा था और फ्रेडी को याद दिलाता है कि उसका भाई उससे सचमुच में काफी प्यार करता है। फ्रेडी समझ जाता है कि उसे अपने भाई पर गुस्से से पागल होने का कोई अधिकार नहीं है और पछताता है।

याद करने की आयत

**हे मेरे भाइयो; मैं आप भी तुम्हारे विषय में निश्चय जानता हूं, कि तुम भी आप ही भलाई से भरे और ईश्वरीय ज्ञान से भरपूर हो और एक दूसरे को चिता सकते हो। - रोमियो 15:14**

## मुख्य पाठ

इस हफ्ते हम कृपा बनाम बैर के बारे में सीखेंगे। बैर एक ऐसा मनोभाव है जिसमें एक व्यक्ति दूसरे को नुकसान, चोट या कष्ट पहुंचाने की इच्छा रखता है, फिर यह चाहे किसी उग्र प्रवृत्ति के कारण हो या किसी गहरे मतलबी कारण से। यह किसी व्यक्ति में छुपी हुए एक बुरी इच्छा का भाग होता है जो गलत कार्य करता है।

आज की बाइबल कहानी में, हामान यहूदियों को मार डालने की युक्ति बनाता है। सबसे पहले, उसे मोर्दकै पर गुस्सा था, जो उसे दंडवत नहीं करता था। हालांकि, जब उसे पता चलता है कि वह एक यहूदी था, तो वह न केवल उसे मार डालना चाहता था, बल्कि वह उसके साथ उसके सभी लोगों को भी मार डालना चाहता था, जो कि क्षयर्ष के राज्य के अंतर्गत आते थे। यह काफी विचित्र लगता है कि किस तरह से कोई मानव हृदय इतना मतलबी और घृणित हो सकता है। उस एक व्यक्ति को मारने की बजाय जिससे वह बैर रखता था, अब हामान उसे समूह के सभी लोगों को मार डालना चाहता था!

हमारा हृदय काफी बुरा है, और हम पाप में जन्मे हैं। यह केवल आत्मा के फल के द्वारा जीने से ही बैर पर विजय पा सकते हैं, और दूसरों के प्रति कृपा दिखाकर जी सकते हैं। आज भी, पूरी दुनिया में, ऐसे लोग है जो समस्त जाति के लोगों को मार डालना चाहते हैं। पिछले 100 सालों में, हम ऐसी कई घटनाओं और खबरों को देख सकते हैं जहां पर एक जाति दूसरे समस्त जाति को खत्म करना चाहती है। एक बार से ज्यादा, कई बार लोगों ने सभी यहूदियों को मार डालना चाहा है!

बाइबल की इस कहानी में, परमेश्वर का धन्यवाद हो, हामान को उसके हृदय की बुराई को पूरा करने से रोका गया और वह असफल रहा। मोर्दकै एस्तेर रानी के पास जाता है और उससे कहता है कि वह राजा के पास जाकर निवेदन करे कि वह यहूदियों के जीवन को बख्श दे। एस्तेर ने सबसे तीन दिन का उपवास और प्रार्थना रखने को कहा, और उसके बाद वह राजा के पास गयी। उसने राजा और हामान के लिए तीन भोज तैयार किया और तीसरे दिन भोज के समय, वह हामान की योजना को प्रगट करती है जिसमें वह सभी यहूदियों को मार डालना चाहता था। एस्तेर रानी ने अपने लोगों को बचाने के लिए एक खतरा मोल लिया था, और परमेश्वर ने उसे आशीष दी। वह दूसरों के प्रति कृपा दिखाने और उन्हें हामान और उसके बुरी योजना से बचाने में सफल रही।

हमारे सामने इस तरह की कोई बुरी स्थिति नहीं होगी जैसा कि इस सच्ची बाइबल कहानी में यहूदियों के सामने थी, लेकिन हमारे चारों ओर हमेशा बैर और बुराई भरी पड़ी है। क्या हम कृपा के साथ जीने का चुनाव कर सकते हैं, और इस दुनिया में पाए जाने वाले बैर के विरूद्ध संघर्ष कर सकते हैं?

## याद करने की आयतों का खेल

*गेंद उछालना*

बच्चों को ज़मीन पर एक गोल घेरे में बैठाएं। तब बोर्ड पर या किसी कागज़ के टुकड़े पर आयत को लिखें जहां पर से बच्चे आसानी से उसे देख सके। फिर बच्चों के बीच एक गेंद दिया जाए (या प्लास्टिक की कोई चीज़, कपड़े की बनी कोई गुड़िया या जानवर आदि) ताकि बच्चे उन्हें आगे बढ़ाते जाएं, और जिनके पास वह गेंद पहुंचती है या जो बच्चा गेंद को पकड़ता है वह उस आयत के अगले शब्द को बोलता है। खेल को अधिक कठिन बनाने के लिए, बच्चों का अनुमति दें कि वे गेंद को उस घेरे के बीच अन्य किसी बच्चे के पास उछाल सके और जो उस गेंद को पकड़ता है वह उस आयत का अगला शब्द बोलता है।

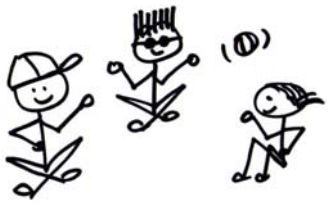

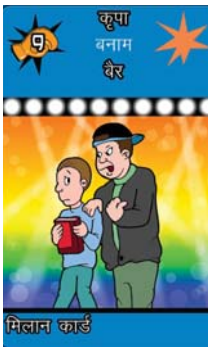




www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

## पहेली के जवाब

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ह | अ | हा | मा | न | ला | द | ना |
| क | ह | त | या | फ | त | या | नु |
| दा | ए | स्त | ते | र | त्र | कृ | क |
| र | अ | न्य | | त | दा | पा | सा |
| प्र | भु | क्रू | हू | सा | व | धा | न |
| क | चो | र | दी | म | त | ल | बी |
| या | ट | र | ष | ड् | यं | त्र | र |

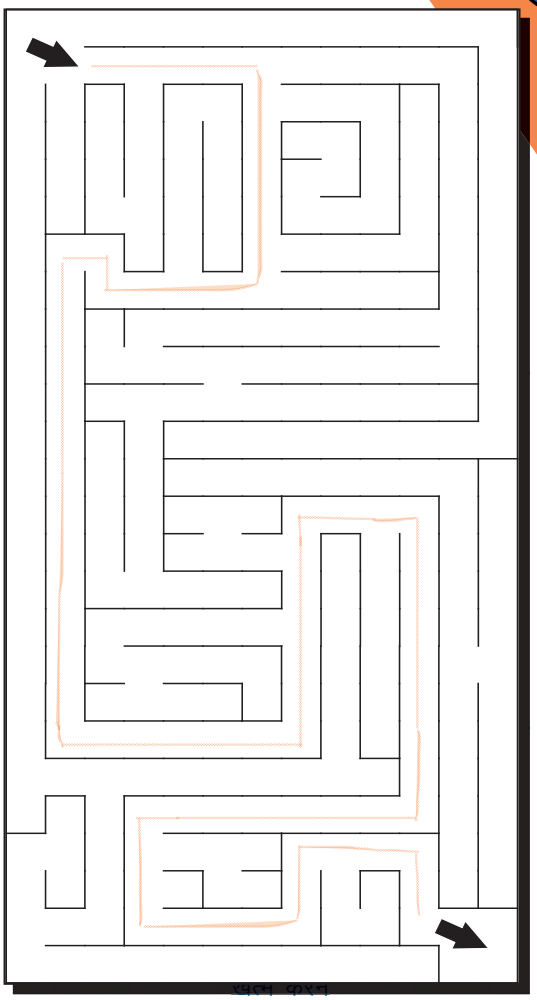

कृपा
चोट
क्रूर

मतलबी
एस्तेर
दावत

षड्यंत्र
हत्या
यहूदी

नुकसान
अन्य
हामान

नफरत
लादना

## सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. परमेश्वर सभी बुरे लोगों को एक साथ मिटा क्यों नहीं देता? परमेश्वर सबसे प्रेम रखते हैं और आशा रखते हैं कि वे अपने बुरे तरीकों से मन फिराएंगे और उसकी ओर लौट आएंगे। परमेश्वर से यह उम्मीद करना काफी खतरनाक है कि सभी दुष्ट लोग इस दुनिया से मिट जाए, क्योंकि स्वयं हमारे हृदय में भी कहीं न कहीं कोई बुराई अवश्य होती है, और इस तरह से हम भी मिट सकते हैं।

2. अक्सर सभी देशों में ऐसी कहानियां है जब उन्होंने किसी समस्त जाति को का प्रयास किया था। आपके देश की ऐसी कौन सी कहानी है? कुछ देशों ने बड़ी संख्या में किसी विशेष समूह के लोगों को मार डाला है, लेकिन अब वे सच्चाई को छिपा रहे हैं। समय से पहले अपने देश के इतिहास में से जांच पड़ताल करें ताकि आप उस इतिहास को अपने विद्यार्थियों के साथ बांट सके। विचार यह है कि बाइबल में लिखी कई कहानियों की तरह ही आज भी कई कहानियां इतिहास में पाई जाती है। तब भी मनुष्य के मन में बुराई थी, जैसा कि आज है।

3. क्या शिशु बिल्कुल शुद्ध और पापरहित पैदा होते हैं? बाइबल बताती है कि हम पाप में जन्में है, इसलिए शिशु बिल्कुल शुद्ध नहीं हो सकते, बल्कि उनके हृदय में पहले से ही पाप मौजूद होता है जब वे पैदा होते हैं। अगर शिशु शुद्ध नहीं है, और जैसा कि बाइबल बताती है कि वह पाप में जन्मा है, तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि यह नरक में जाएगा? कई लोग इस बात पर विश्वास नहीं करना चाहते इसलिए वे ऐसी कल्पना करते हैं कि बच्चे कुछ समय के लिए पवित्र या शुद्ध होते हैं। लेकिन हम सब 1 या 2 साल तक के बच्चों को जानते हैं जो भयानक तरीकें से व्यवहार करते हैं और उन्हें अनुशासित करने की आवश्यकता होती है। आपके हृदय में पाप ने कब प्रवेश किया?

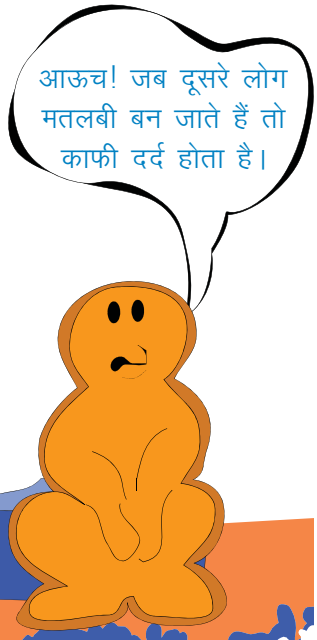


### रिंग के अंदर

इस हफ्ते आप किसी ऐसे व्यक्ति की मदद करें जिसे कोई अन्य व्यक्ति बिना किसी कारण के तंग करता या दुख देता है। जब हम किसी दूसरे की सहायता करते हैं, तो हम हृदय में इस पाप के विरूद्ध संघर्ष करते हैं। अपने सम्मान को दांव में लगाते हुए किसी दूसरे की सहायता करो।



www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

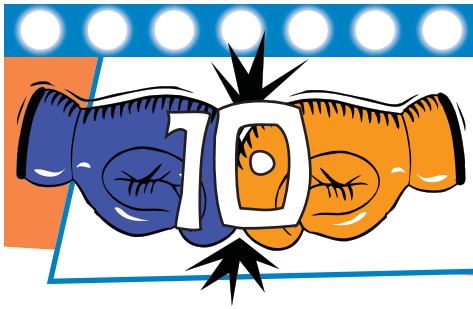

# भलाई बनाम अरूचि

*बाइबल की कहानी:* सदोम और अमोरा

उत्पत्ति 18:16–33

## नाटक

बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी के बीच एक विवाद छिड़ जाता है। विक्की स्कूल में नए विद्यार्थी को अपने साथ खेलने के लिए आमंत्रित करता है। जबकि फ्रेडी कहता है कि यह उसकी समस्या नहीं है, और यहां तक कि वह इस लड़के को जानता भी नहीं है। विक्की बताता है कि उसे उस नए लड़के के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए जबकि वे अभी दोस्त नहीं हुए थे और उसे एक उपहार था।

याद करने की आयत

**जो पड़ोसी पर कृपा नहीं करता वह सर्वशक्तिमान का भय मानना छोड़ देता है।**
**अय्यूब** 6:14

## मुख्य पाठ

इस हफ्ते हमारा मैच संघर्ष भलाई बनाम अरूचि के बीच है। भलाई को अक्सर नैतिक उत्तमता या मूल्य के रूप में पहचाना जाता है। जबकि, वास्तविक भलाई में दूसरों के प्रति भलाई को प्रदर्शित करना शामिल होता है। यही वह बिन्दु होता है जहां पर अरूचि अंदर प्रवेश करता है और हमारी भलाई को रोकना चाहता है। अरूचि किसी लगन, उत्साह या रोमांच की कमी या उसे दबाना होता है। यह दूसरों के प्रति रूचि या ध्यान की कमी होती है।

बाइबल बताती है कि एक दिन परमेश्वर स्वयं अब्राहम के सामने प्रकट होते हैं। अब्राहम एक पेड़ के नीचे बैठा हुआ था जब उसने देखा कि तीन लोग उसके सामने खड़े थे। उनमें से दो स्वर्गदूत और एक स्वयं प्रभु थे। (19:1, 18:1,13,17,20,26,33)। उन्हें भोजन खिलाने के बाद, और अब्राहम को विशेष वायदे देने के बाद, उन्होंने उनके विचार उसके साथ बांटने का निर्णय किया। वहां के दो नगरों का पाप बहुत अधिक बढ़ गया था कि प्रभु ने फैसला लिया था कि वह स्वर्ग से उतरकर उन नगरों को नाश कर देंगे, जिनका नाम सदोम और अमोरा था। तब अब्राहम इस तरह से कह उठा, ''क्या आप धर्मी को भी अधर्मियों के साथ नष्ट कर देगा? क्या होगा अगर उस नगर में पचार धर्मी लोग हो? तो क्या तब भी आप उन नगरों पर दया न करेगा और नष्ट कर देगा?''

यह कितनी अद्भुत बात थी कि किस तरह से अब्राहम दूसरों के प्रति दया और चिंता को दिखाता है। अरूचि वहां पर शायद खड़ी रही होगी, कि शायद उन नगरों के लिए दुख महसूस करे लेकिन उसके लिए कुछ करने की इच्छा न हो। अरूचि शायद कह सकती थी, ''यह मेरी समस्या नहीं है।'' तो वह कह सकता था, ''सही बात है, मैं वहां पर नहीं रहता।'' हालांकि, अब्राहम वहां पर प्रभु के सामने जाकर भलाई को दर्शाता है, और उन नगरों पर दया करने के लिए विनती करता है अगर उन नगरों में कम से कम 50 धर्मी लोग भी हो। परमेश्वर और अब्राहम के बीच एक बातचीत का दौर जारी रहता है, जहां पर अब्राहम पहले से ज्यादा हिम्मत करता जाता है। वह पहले पूछता है कि अगर 50 धर्मी जन भी उन नगरों में हो तो वह उन नगरों को छोड़ देगा, लेकिन बाद में वह उस अंक को कम करता जाता है। अब्राहम परमेश्वर की दया को मांगता रहता है कि अगर वहां पर केवल 40 धर्मी जन ही हो। फिर वह 30 के लिए पूछता है। अब्राहम हिम्मत करता जाता है और पूछता है कि क्या वह 20 धर्मी जनों के कारण उन नगरों पर दया करेगा। आखिरकार, अब्राहम परमेश्वर से सवाल पूछता है, ''क्या हो कि वहां पर केवल दस धर्मी जन ही पाए जाएं?''

परमेश्वर उन लगातार पूछे जाने वाले सवालों के प्रति सहमति दिखाता जाता है और कहता है कि अगर उन नगरों में कम से कम 10 धर्मी जन भी पाए जाए तो वह उन्हें नाश नहीं करेगा। वे अपनी बातचीत खत्म करते हैं और अब्राहम अपने घर लौटता है। दुख की बात है कि उन नगरों में 10 धर्मी जन भी नहीं पाए गये, और आखिरकार परमेश्वर उन नगरों को नष्ट करने का निर्णय लेते हैं। अब्राहम के कुछ रिश्तेदार वहां सदोम नगर में रहते थेः लूत और उसका परिवार। परमेश्वर के दूत लूत के घर पर जाते हैं और उन्हें बचाने में उनकी मदद करते हैं। फिर परमेश्वर उन नगरों में आग को भेजते हैं और उन नगरों और उसके इलाकों को पूरी तरह से नष्ट कर देते हैं।

अब्राहम ने खुद अपनी जान खतरे में ड़ाल दी थी, ताकि दूसरों के जीवन को बचा सके। उसने अरूचि से संघर्ष किया और एक अच्छा ह्रदय पाया; वह एक ऐसा व्यक्ति था जो दूसरों की चिंता करता था। क्या आप अपने जीवन में अरूचि से संघर्ष कर सकते हो, और अपने आस पास रहने वालों के प्रति चिंता या ध्यान दे सकते हो?

## याद करने की आयतों का खेल

*अभिनय करो*

याद करने की आयत को नाटक या संकेत के द्वारा अभिनय करके दिखाओ। यह एक मजेदार खेल होता है क्योंकि यह दृश्यात्मक, सक्रिय और श्रवणयोग्य होता है।

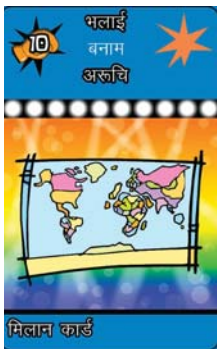




www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

## पहेली के जवाब

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रो | भ | आ | वा | य | दे | न | अ | ब्रा | ह | म | ह |
| सा | ला | ल | चिं | ता | ल | ग | न | प्र | न | सी | क |
| च | ई | स्‍ | ना | श | क | र | ना | भु | दू | ही | दा |
| ह्‍ | द | य | कृ | पा | मी | स्‍ | तु | ति | स | चिं | र |
| भु | या | स्व | र्ग | दू | त | रो | मां | च | रे | त | भु |

भलाई
चिंता
दूसरे
आलस्य
कमी
लगन
रोमांच

प्रभु
अब्राहम
स्वर्गदूत
नाश करना
नगर
दया
हृदय

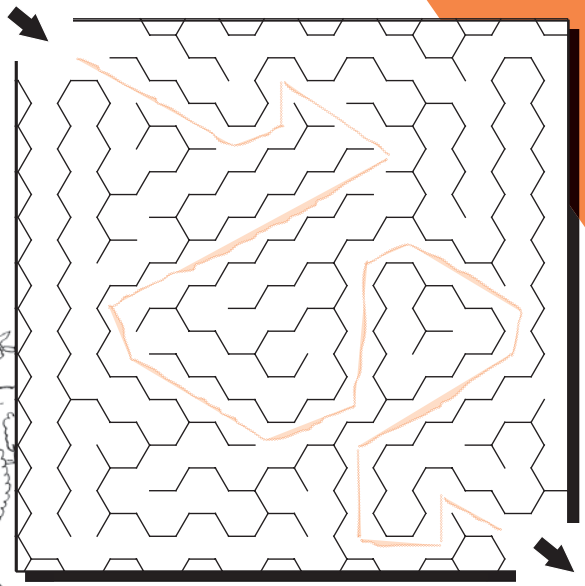

## सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. आप क्या करते अगर परमेश्वर स्वयं आपके घर में मेहमान बनके मिलने आते? यह कितन अद्‌भुत होता अगर प्रभु स्वयं हमारे घर में हमसे मिलने आते? हो सकता है कि आप उन्हें एक बढ़िया खाना खिलाते, या उन्हें किसी बड़े रेस्तरां में ले जाते, प्रभु के लिए अच्छा सा बिस्तर लगाकर देते, या अपनी कलीसिया के सदस्यों को बुलाकर साथ आराधना करते?
2. आप आपके पड़ोस में किस तरह ही अरूचि पाते हो? क्या लोग इस तरह कहते हैं, ''यह मेरी समस्या नहीं है?'' अपने समुदाय के बारे में स्पष्ट चर्चा करो जब पड़ोसी दूसरों की समस्या में शामिल होने से इंकार करते या इच्छा नहीं दिखाते। अगर आप इसमें शामिल होते हो, तो क्या इसके लिए किसी प्रकार का कोई दंड़ दिया जाता है?
3. क्या स्वर्गदूत वास्तविक हैं? क्या आपकी कक्षा में कोई स्वर्गदूत अभी मौजूद है? अपने विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें कि क्या वे सचमुच स्वर्गदूतों पर विश्वास करते हैं कि नही। क्या वे उस स्वर्गदूत को देख सकते हैं जो अभी उनकी कक्षा में मौजूद है? बाइबल में से उन आयतों को खोज निकालें जो स्वर्गदूतों के बारे में बताती है ताकि उनके बारे में अधिक सीखा जा सके।

### रिंग के अंदर

इस हफ्ते, आप प्रार्थना करें कि वह आपके हृदय में उत्साह को बढ़ाएं। ऐसे किसी बात को ढूंढें जो आप दूसरों के लिए कर सकते हो ताकि दूसरों के लिए आपके अंदर का उत्साह बढ़ता जाएं। किसी सेवकाई का दौरा करें और सीखें कि वे क्या करते हैं, ऐसे किसी संस्था की मदद करें जो दूसरों को भोजन खिलाती है, या संसार में होने वाली घटनाओं से जुड़े वीडियो को देखो। जहां पर आप मदद कर सकते हो, वहां भागीदारी करें।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

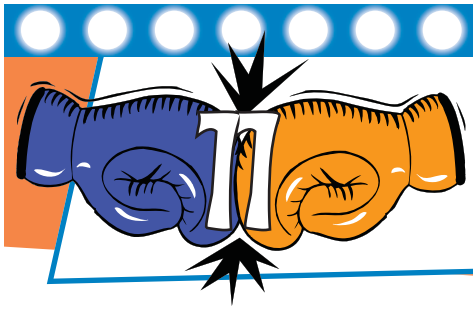

# भलाई बनाम बुराई

*बाइबल की कहानी:* हेरोदेस और यूहन्ना बपतिस्मादाता

लूका 3:18–20, मत्ती 14:1–12

## नाटक

बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी एक रेडियो समाचार में सुनते हैं कि कहीं पर किसी सामूहिक हिंसा में कुछ निर्दोष लोग मारे गये थे। फ्रेडी विचलित और चिंतित हो उठता है, और एक कंबल के पीछे अपने आप को छिपा देता है। विक्की फ्रेडी को याद दिलाता है कि परमेश्वर के पास पूरा नियंत्रण है और जिन्होंने बुरा किया है उन्हें सज़ा मिलेगी और भलाई करने वालों को प्रतिफल भी मिलेगा।

याद करने की आयत

**बुराई को छोड़ और भलाई कर; मेल को ढूंढ और उसी का पीछा कर।। - भजन संहिता** 34:14

## मुख्य पाठ

इस दुनिया में हर तरफ बुराई पाई जाती है। किसी भी समय कोई पुरूष या स्त्री हमें चोट पहुंचा सकते हैं, लेकिन हम हमेशा परमेश्वर पर भरोसा रख सकते हैं। जब से इस दुनिया में पाप ने प्रवेश किया है तब से हर मनुष्य के मन में बुराई पाई जाती है। जबकि, कुछ लोग लगातार पाप से संघर्ष करते रहते हैं, और एक पवित्र जीवन जीना चाहते हैं। उधर दूसरी तरफ, अधिकतर लोग इससे बिल्कुल भी संघर्ष नहीं करते, बल्कि ऐसा लगता है कि वे पाप से भरे जीवन को जीने का आनंद उठा रहे हो। हम सभी अपने हृदयों में बुराई से संघर्ष करते हैं; भले ही यह छोटा ही क्यों न हो, लेकिन यह वहां पर होता है।

आज की बाइबल कहानी में, हम एक ऐसे व्यक्ति को देखेंगे जो एक पापी जीवन जीता है। हेरोदेस राजा ने कई बुराईयां की थी, लेकिन जब यूहन्ना बपतिस्मादाता ने उसे डांटा, तब हेरोदेस ने उसे जेल में डाल दिया!

हेरोदेस ने अपने भाई की पत्नी को ले लिया था जिसका नाम हेरोदियास था, और इसलिए यूहन्ना ने उसे डांटा था। तब हेरोदेस ने उसे बांध कर गिरफ्तार कर लिया। हेरोदेस के जन्मदिन की पार्टी में, हेरोदियास की बेटी ने उसके लिए नाच प्रस्तुत किया और हेरोदेस उससे इतना प्रसन्न हुआ कि उसने उसे कुछ भी देने का वायदा कर डाला जो वह चाहती थी। उसकी मां के उकसाये जाने पर, उसने यूहन्ना बपतिस्मादाता को मार डालने की मांग की। हेरोदेस को पता चल गया कि अब उसके पास कोई विकल्प नहीं था, इसलिए उसने ऐसा ही किया। (बड़ें बच्चों के लिए, आप बता सकत हो कि उसने यूहन्ना बपतिस्मादाता का सिर एक पात्र पर रखकर उस पार्टी में ले आने की मांग की थी।)

यह काफी भयानक था जो कि बाइबल की कहानी में लिखा हुआ है। हालांकि, यूहन्ना बपतिस्मादाता ने उस कार्य को पूरा कर लिया था जिसे परमेश्वर ने उसे पूरा करने के लिए कहा था, कि प्रभु के मार्ग को सीधा करे।

बाइबल इस बात को साफ तौर पर बताती है कि स्वर्ग और नरक वास्तविक है। जब हम अपने उद्धार के लिए परमेश्वर पर भरोसा रखते हैं, प्रभु यीशु पर विश्वास करते हुए, तब हम जान सकते हैं कि हम स्वर्ग जाएंगे। जिन्होंने अभी तक इस पर विश्वास नहीं किया है वे सब नरक जाएंगे। हम सभी स्वर्ग या नरक में अनंत काल तक रहेंगे।

यह एक उपयोगी जानकारी है क्योंकि हम सब बुरे लोगों का सामना करते हैं। यह काफी झुंझला देनी वाली बात होती है कि एक बुरा व्यक्ति अपनी बुराईयों में जीवन बिताता है, और उसपर कोई न्याय या सज़ा नहीं होती। हालांकि, यह काफी आश्वासन देनी वाली बात है कि संसार में पाई जाने वाली बुराई और अन्याय केवल इस पृथ्वी तक ही सीमित रहेगी। एक बार जब हम मर जाते हैं, तो हम आज़ाद हो जाते हैं, अगर हमने अपने उद्धार के लिए प्रभु यीशु पर विश्वास किया हो।

इसलिए, इस दुनिया में चारों तरफ मेरे आसपास बुराई होती है, फिर भी मैं यकीन कर सकता हूं कि यह बुराई मेरे प्राण और आत्मा को छू नहीं सकती। यह मेरे शरीर को चोट पहुंचा सकती है, या मुझे मार भी सकती है, लेकिन जब मैं यूहन्ना बपतिस्मा के साथ स्वर्ग में जाऊंगा, तब मैं सभी बुराईयों से स्वतंत्र हो जाऊंगा।

## याद करने की आयतों का खेल

*म्यूजिकल बॉल खेल*

पहले उस आयत को याद करें, कई बार दोहराते हुए या किसी खेल को खेलते हुए। फिर कोई धुन बजाएं और बच्चों को एक घेरे के बीच या अपनी कक्षा में एक गेंद को आगे बढ़ाते रहने को कहें (बच्चों से कह दें कि गेंद को न उछालें)। जब धुन बजनी रूक जाती है, तब जिस बच्चे के पास गेंद होती है उसे वह आयत बोलनी होती है या किसी दूसरे को उनके लिए आयत को बोलने के लिए कहा जा सकता है। इस खेल को तब तक जारी रखें जब तक कि हर बच्चे को उस आयत को बोलने का अवसर नहीं मिल जाता या सबकी बारी नहीं आती।

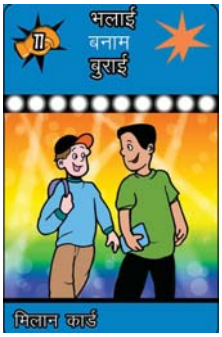




www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

# पहेली के जवाब

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | तै | यू | ह | न्न | ना | न |
| ब | या | द | या | स | सा | र |
| प | र | मे | श | व | र | क |
| ति | बु | रा | ह्र | र्ग | हे | प्र |
| स | न | आ | द | मी | रो | भु |
| मा | न्न | या | य | ता | दे | बु |
| दा | द | भ | रो | सा | स | रा |
| ता | भ | रा | सा | भ | ला | ई |

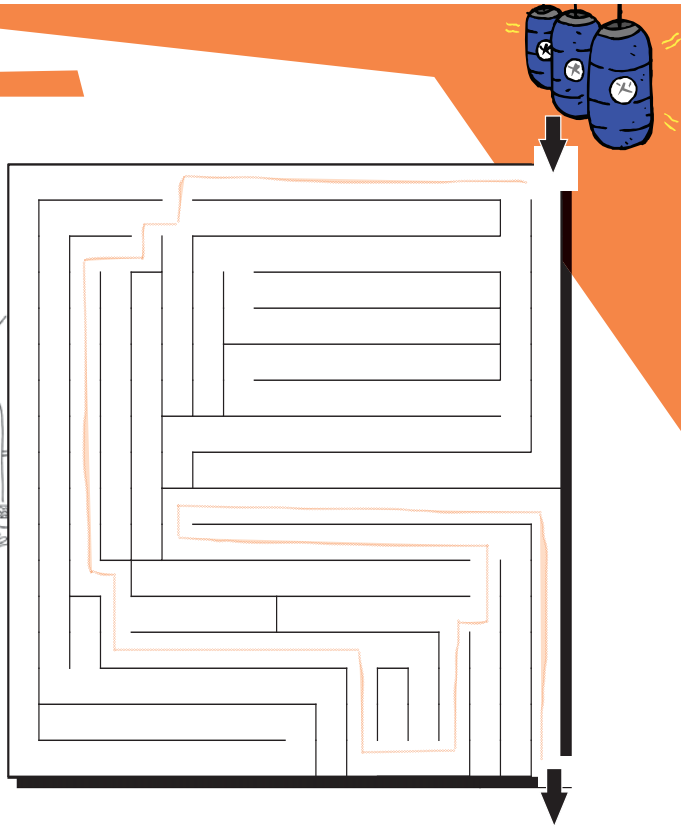

परमेश्वर
हेरोदेस
यूहन्ना
बपतिस्मादाता
स्वर्ग

भलाई
बुराई
हृदय
आदमी
भरोसा

तैयार
नरक
न्याय
प्रभु

# सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. स्वर्ग कैसा दिखता होगा और वहां पर कौन जाएगा? स्वर्ग में कोई पाप, कोई मृत्यु, कोई रात, कोई दर्द, कोई बुराई नहीं होगी, बल्कि वहां पर एक नई दुनिया और नया यरूशलेम होगा, सुंदर भवन होगा, संगीत, आराधना और आनंद होगा। हम सब अपने वायदा किए हुए प्रतिफलों को पाएंगे, और वह भी हमारी अपेक्षाओं से कहीं बढ़कर। (यह इस तरह से नहीं होगा कि हम बादलों पर उड़ते रहेंगे, वीणा बजाएंगे, और न जानते होंगे कि हमारे समय के साथ हम क्या करेंगे) (लूका 15:10'32; 20:36; प्रकाशितवाक्य 5:8,9; 7:16,17; 14:2,3; 15:2,3; 21:4,25;22:5)

2. नरक कैसा दिखता होगा और वहां पर कौन जाएगा? बाइबल बताती है कि नरक में रोना और विलाप करना होगा, और साथ ही दांत पीसना होगा, और वहां की आग कभी नहीं बुझेगी। वे लोग मरने पर वहां जाएंगे जिन्होंने अपने उद्धार के लिए प्रभु यीशु के नाम पर विश्वास नहीं किया है। (मालाकी 4:1; मत्ती 13:42–50, 16:18; प्रकाशितवाक्य 9:2, 12, 20:14)।

3. क्या जो बुरे काम लोग मेरे विरूद्ध करते हैं, उससे मेरी आत्मा को नुकसान पहुंच सकता है? इस दुनिया की बुराई केवल हमारे शरीरों को छू सकती है (मत्ती 10:28) जब तक कि हम उसे हमारी आत्मा को प्रभावित करने की अनुमति नहीं देते। अपने विद्यार्थियों के साथ चर्चा करो कि क्रोध और माफ न करने से हमारी आत्मा को क्या नुकसान पहुंच सकता है। इस बात पर भी बातचीत करें कि किस तरह से हमारे साथ की गई बुराई के प्रति हमारी प्रतिक्रिया हमारी आत्मा को प्रभावित कर सकती है अगर हम इसकी अनुमति देते हैं। अगर हम अनुमति देंगे तभी यह अनंतकाल तक के लिए हमें नुकसान पहुंचा सकती है!

## रिंग के अंदर

अपने आसपास किसी भी ऐसे बुराई को देखो, जहां पर कोई विद्यार्थी दूसरे निर्दोष विद्यार्थियों को बिना किसी कारण के चोट पहुंचा रहा हो। इस हफ्ते ऐसे किसी निर्दोष विद्यार्थी का बचाव करने के तरीके खोजें। हो सकता है कि स्कूल से घर जाने के लिए उसे कोई दूसरा रास्ता बताकर दें, दोपहर का भोजन देना, या उसके साथ जाने के लिए अपने किसी चार दोस्तों के समूह को भेजे।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

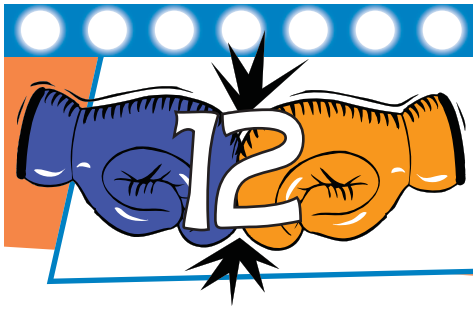


# भलाई बनाम स्वार्थी महत्वकांक्षा

*बाइबल की कहानी:* बेबीलोन का गुम्मट

उत्पत्ति 11:1–9

## नाटक

बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी एक दौड़ में होते हैं, जिसमें विक्की आगे होता है। फ्रेडी अपना हाथ बढ़ाकर विक्की के शर्ट को पकड़ता है और उसे खींचकर नीचे गिरा देता है और फ्रेडी आगे निकल जाता है। लेकिन फ्रेडी को दौड़ में से अयोग्य घोषित करके बाहर कर दिया जाता है।

याद करने की आयत

**विरोध या झूठी बड़ाई के लिये कुछ न करो पर दीनता से एक दूसरे को अपने से अच्छा समझो। - फिलिप्पियों 2:3**

## मुख्य पाठ

इस हफ्ते हमारा संघर्ष भलाई और स्वार्थी महत्वकांक्षा के बीच है। महत्वकांक्षा के लिए एक परिभाषा यह है कि, ''किसी प्रकार की उपलब्धि या पद जैसे कि कोई अधिकार, आदर, प्रसिद्धी को पाने के लिए किसी भी स्तर पर जाने की तीव्र इच्छा का होना।'' हम ऐसा सोच सकते हैं कि महत्वकांक्षा एक अच्छी बात है, लेकिन हमें इसके बारे में काफी सावधान रहने की जरूरत है।

आज की बाइबल कहानी बेबीलोन के गुम्मट के विषय में हैं। यह एक सच्ची कहानी है जहां परमेश्वर ने पृथ्वी के लोगों को दुविधा में डालने का निर्णय लिया क्योंकि उनकी महत्वकांक्षा बहुत बढ़ गई थी। वे प्रसिद्धी चाहते थे, और अपना नाम बड़ा करना चाहते थे। बाइबल बताती है कि इस समय से पहले तक, हम सब एक ही भाषा में बातें करते थे और ग्रह के एक ही भाग में रहते थे। लेकिन जब परमेश्वर ने उनके स्वार्थी महत्वकांक्षा को देखा जब वे एक नगर और एक गुम्मट का निर्माण कर रहे थे, तब उसने उनके बीच भाषा की गड़बड़ी डाल दी, और उन्हें पृथ्वी के विभिन्न भागों में बिखेर दिया।

यहां पर जो बात सामने आती है वह यह है कि स्वयं परमेश्वर उन लोगों के विरूद्ध खड़ा होता है। यह शैतान की ओर से कोई हमला नहीं था, न ही बुरे लोगों की ओर से। बल्कि, स्वयं परमेश्वर उनके विरूद्ध था। लेकिन क्यों? एक बाइबल अनुवाद कहता है कि ''वे अपने आप को प्रसिद्ध करना चाहते थे'' और दूसरा अनुवाद कहता है कि ''वे अपने लिए एक नाम बनाना चाहते थे।'' क्रिस टॉमलिन द्वारा लिखा गया एक बहुत ही अच्छी आराधना गीत है, ''मैं किससे डरूं?'' यह गीत उन स्वर्गदूतों की सेना के विषय में बताती है जो हमारी ओर है। यह काफी रोमांचित करने वाला विचार है कि जब परमेश्वर हमारी ओर है, तो कोई भी हमारे विरोध में नहीं आ सकता। लेकिन बेबीलोन के गुम्मट की इस कहानी में एक घटना बताई गयी है जब परमेश्वर हमारी ओर नहीं होगा। जब हम अपने लिए अधिकार, आदर, प्रसिद्धी और धन को प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तब परमेश्वर हमारी ओर नहीं होता। यहां तक कि, वह पूरी तरह से हमारे विरोध में आ सकता है, जैसा कि बाइबल में लिखे हुए इस घटना में बहुत समय पहले हुआ था। भलाई का एक भाग, अतः यह है कि हम नम्र बने रहें और अपने स्वार्थी महत्वकांक्षा के विषय में सावधान रहें। यह काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि आप वास्तव में कभी नहीं चाहोगे कि कभी परमेश्वर आपके विरोध में खड़े हो।

## याद करने की आयतों का खेल

*गूंजता पहाड़*

पूरे समूह को तीन टीमों में बांटें, जैसे कि : अध्यापक, लड़के और लड़कियां। पहली टीम याद करने की आयत के पहले शब्द या वाक्य को कहते हुए आरंभ करती हैं, उनके रूकने के बाद दूसरी टीम उस शब्द या वाक्य को बोलती है और फिर उनके रूकते ही अंतिम टीम भी ऐसा ही करती है। इस खेल को जारी रखें, और हर शब्द को बोलते समय कुछ विभिन्नताओं को जोड़ते रहें, उदाहरण के लिए, फुसफुसाना, चिल्लाना, पतली आवाज़ में बोलना, भारी आवाज़ में बोलना, बिल्कुल धीरे बोलना, बहुत जल्दी बोलना, किसी रोबोट की तरह बोलना आदि। इस खेल का मज़ा उठाईए!

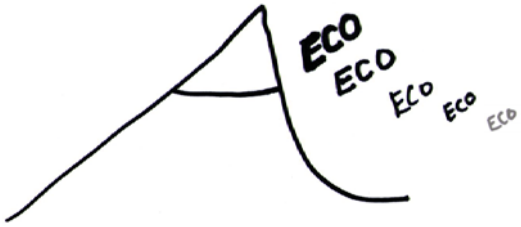


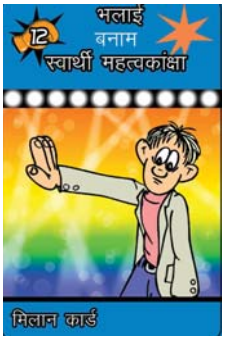




www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

# पहेली के जवाब

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | स्‍ | वा | र्थी | या | गु | ड़ा | ग | ड़ा | दी | वि | आ | द | र |
| स्‍ | र्थी | भ | रो | सा | म्‍ | बे | बी | लो | न | शे | आ | या | वा |
| अ | भि | ला | षा | सा | म | र्थ | प्र | पा | कि | ष | ह्‍ | द | य |
| ध | ना | ई | ध | ह्‍ | ट | य | सि | प | या | ता | पा | पा | दे |
| सा | व | धा | न | म | य | दे | द्धी | झ | ग | ड़ा | न | ना | या |

भलाई
स्वार्थी
अभिलाषा
सामर्थ
आदर

धन
विशेषता
प्रसिद्धी
झगड़ा
पाना

सावधान
गुम्मट
बेबीलोन
दीन किया

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

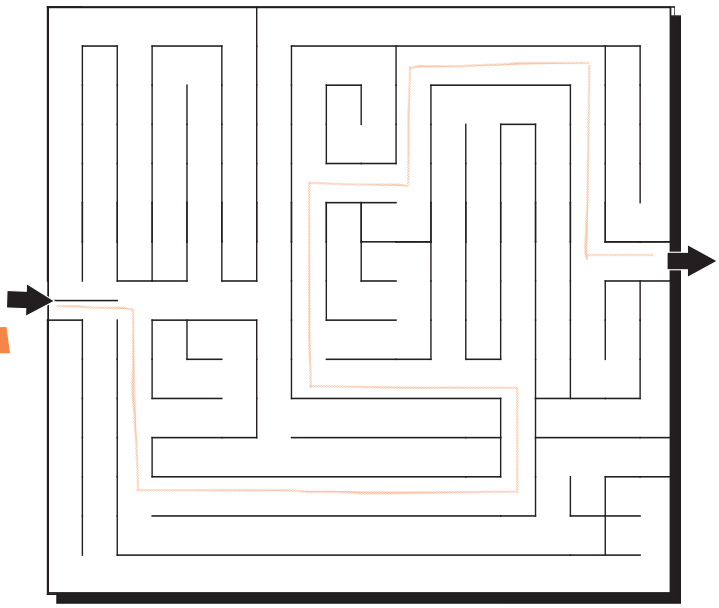

## सवाल और जवाब

1. कुछ प्रसिद्ध मसीही लोगों के उदाहरण दो। क्या आपको लगता है कि कई बार लोग अपने नाम को प्रसिद्ध करना चाहते हैं? अपने विद्यार्थियों से इस बात पर बातचीत करो कि किस तरह से परमेश्वर हमारे हृदयों और उद्देश्यों को देख सकता है। इसमें गाना, नाचना, वाद्ययंत्रों को बजाना, बातें करना, प्रचार करना, अभिनय करना और यहां तक कि प्रार्थना करना। उन घटनाओं के बारे में बातचीत करो जहां पर आप बता सकते हो कि जो व्यक्ति प्रार्थना कर रहा है वह दरअसल अपने आसपास के लोगों को दिखाने के लिए ऐसा कर रहा है, या सचमुच में परमेश्वर से प्रार्थना कर रहा है।

2. अगर परमेश्वर आपके विरोध में होता तो आपका जीवन कितना आसान होता? अपने विद्यार्थियों से इस बात पर चर्चा करें कि मसीही होने के नाते हम किस तरह से मान लेते हैं कि परमेश्वर हमारी ओर है। लेकिन यहां पर बाइबल की कहानी साफ दर्शाती है कि अगर हम हमारे जीवन पर कब्जा करने के लिए स्वार्थी महत्वकांक्षाओं को अनुमति देते हैं, तो स्वयं परमेश्वर हमारे विरोध में हो सकते हैं। उन विभिन्न परिस्थितियों के बारे में चर्चा करो जो काफी कठिन हो सकती थी अगर परमेश्वर हमारे विरोध में होता।

3. वे कौन से तरीकें हैं जिनसे हम अपने आप को नम्र और दीन कर सकते हैं ताकि परमेश्वर को ऐसा न करना पड़ें? यहां पर कुछ विचार हैं: केक का एक छोटा टुकड़ा लेना, अच्छे कोई काम किसी और को देना, पूरा श्रेय अपने ऊपर लेने की बजाय अपने दोस्त को किसी बात का श्रेय देना, गाने में मुख्य भूमिका को न लेना, या आपके वाद्ययंत्रों को किसी और को बजाने का अवसर देना आदि।

### रिंग के अंदर

अपने आप को मशहूर करने या अपनी प्रसिद्धी के लिए इस हफ्ते कोई कार्य न करें। जब कभी ऐसा कोई अवसर मिलता है, तो उसे अनदेखा करें। जब आप ऐसा करते हो, तब आप इस घुसपैठ करने वाले पाप पर एक जोरदार मुक्का मारते हो।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

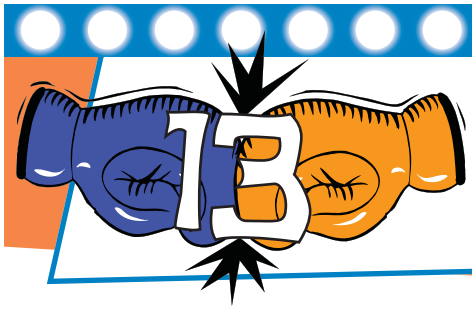


# भलाई बनाम अशुद्धता

*बाइबल की कहानी : यूसुफ* और पोतीपर

उत्पत्ति 39:1—21

## नाटक

मूर्ख फ्रेडी एक सड़े हुए फल को लेता है और बुद्धिमान विक्की को यकीन दिलाने की कोशिश करता है कि यह वाकई में काफी अच्छा फल है जबकि यह बाहर से सड़ा हुआ दिखाई देता है। विक्की उस फल को लेकर काटकर खोलता है और दिखाता है कि अगर यह बाहर से सड़ा हुआ दिखता है, तो यह अंदर से भी सड़ा हुआ है।

याद करने की आयत

**इसी लिये हम सदा तुम्हारे निमित्त प्रार्थना भी करते हैं, कि हमारा परमेश्वर तुम्हें इस बुलाहट के योग्य समझे, और भलाई की हर एक इच्छा, और विश्वास के हर एक काम को सामर्थ सहित पूरा करे।**

2 थिस्सलुनीकियों1:11

## मुख्य पाठ

अशुद्धता एक ऐसी चीज़ होती है जो किसी के दोषरहित स्वभाव को बिगाड़ देती है। इस मामले में, हमारा हृदय ऐसा होता है जो हम बनना चाहते हैं अर्थात् पवित्र और दोषरहित, और हमारे कर्म दिखाते हैं कि हमारे हृदय में क्या चल रहा है। उदाहरण के लिए, अगर आपके कर्म बुरे और अपवित्र है, तो हम जान सकते हैं कि आपके हृदय में बुराई है। आज की बाइबल कहानी में, यूसुफ अपने जीवन में आत्मा का फल ''भलाई'' को बनाए रखने की कोशिश करता है, लेकिन पोतीपर की पत्नी उसे अपवित्र करके नीचे गिराने की कोशिश करती है।

जब यूसुफ के भाइयों ने उसे गुलामी में बेच दिया था, तब उसे मिस्त्र में लाया गया और पोतीपर नाम के एक व्यक्ति को बेच दिया गया जो कि पहरेदारों का सरदार था। यूसुफ ने कामयाबी के सपने देखे थे, लेकिन अभी वह इसके विपरीत परिस्थिति का सामना कर रहा था। एक गुलाम के रूप में, परमेश्वर ने यूसुफ को आशीष दी, और उसके मालिक की कृपादृष्टि उस पर बनी रही। पोतीपर ने उसे अपने घर के सभी वस्तुओं पर अधिकारी ठहराया। यूसुफ काफी सुंदर और सुड़ौल था और कुछ समय के बाद, उसके मालिक की पत्नी ने उस पर ध्यान दिया। उसने यूसुफ को बहकाने की कोशिश की और उसे पाप करने के लिए आमंत्रित किया, लेकिन यूसुफ ने मना किया। वह लगातार हर दिन उसके पीछे पड़ी रही, लेकिन वह हमेशा उससे बचकर भाग निकला।

एक बार उसने यूसुफ के बागे को पकड़ लिया, लेकिन वह अपने उस बागे का वहीं छोड़कर भाग निकला। वह उस बागे को तब तक पकड़े रही जब तक कि उसका पति वापस घर नहीं आया। तब उसने यूसुफ पर गलत आरोप लगाया। पोतीपर इतना गुस्सा हो उठा कि उसने यूसुफ को उसके काम से बाहर निकाल दिया और उसे जेल में डाल दिया। यूसुफ एक बार फिर से पीठ के बल नीचे गिर पड़ा, और सोचता रहा कि कब परमेश्वर उसके सपनों को पूरा करेगा जो उसने उसकी जवानी में उसे दिखाए थे। एक बार फिर, परमेश्वर ने यूसुफ को आशीष दी और वह जेल में भी समृद्ध होने लगा।

इस बात पर ध्यान देना काफी महत्वपूर्ण है कि यूसुफ ने कुछ भी गलत नहीं किया था। जब दूसरे लोग आप पर या मुझ पर हमला करते हैं, तो दरअसल हमने पाप नहीं किया होता। उन्होंने हमारे विरूद्ध पाप किया होता है। परमेश्वर हमें

बेकार या ऐसी वस्तु की तरह नहीं देखता जिसका अब कोई उपयोग न हो। परमेश्वर हमारे हृदय को देखता है। इसलिए कि यूसुफ ने अपने हृदय को शुद्ध रखा, और अशुद्धता से दूर भागता रहा, इसलिए परमेश्वर ने उसे लगातार आशीष दी। लोग आपके विरूद्ध पाप कर सकते हैं, लेकिन वे आपके हृदय को कभी ले नहीं सकते, कि आप हार मान जाओ। कठिन और आसान दोनों समयों के दौरान, अगर हम अपने हृदयों की रखवाली कर सकते हैं, तो हम शुद्ध बने रह सकते हैं और अशुद्धता के विरूद्ध हमारे मैच संघर्ष को जीत सकते हैं!

## याद करने की आयतों का खेल

*एक शब्द को मिटाना*

बोर्ड पर एक याद करने की आयत को लिखें। एक समय में एक शब्द को मिटाएं, और हर बार ऐसा करते हुए बच्चों को पूरी आयत बोलने को कहते रहें।

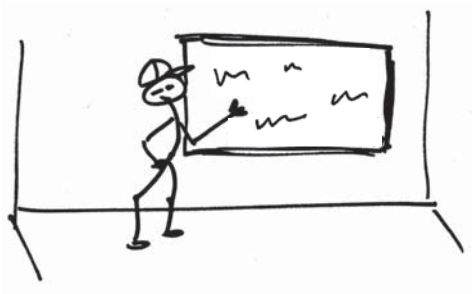

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

# पहेली के जवाब

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ह | दू | षि | त | प्र | क | र | पो | गु | ला | मी | ह | ना | अं |
| कृ | पा | शु | ह | द | य | तु | ती | यू | सु | फ | क | र्म | द |
| अ | शु | द्ध | ता | र्श | त | ति | प | त्न | नी | त | दा | द | र |
| अं | सा | व | धा | न | ठ | ह | र | ना | अं | द | र | या | प |
| आ | य | त | भ | रो | सा | अ | म | सी | ही | फ | र | नी | प |

अशुद्धता
दूषित
कर्म
प्रदर्शन
हृदय
यूसुफ
गुलामी
पोतीपर
पत्नी
ठहरना
शुद्ध
अंदर

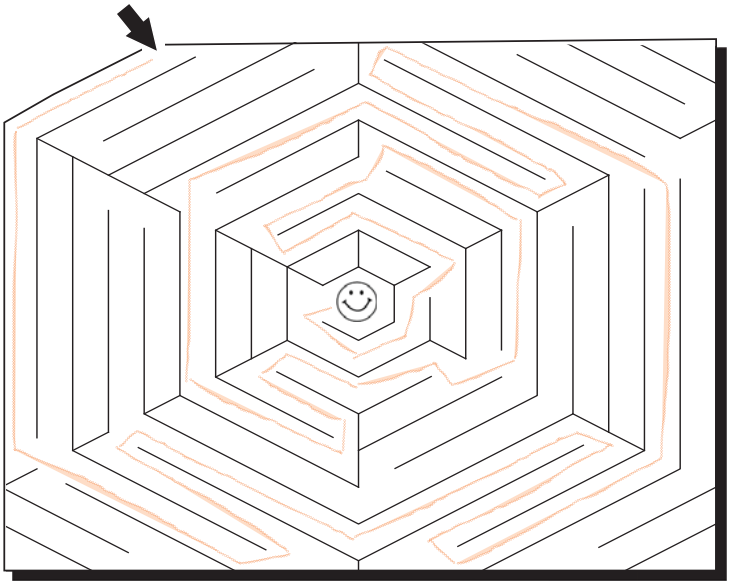

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

# सवाल और जवाब

1. आप अपने स्कूल के उन सभी विद्यार्थियों के बारे में क्या सोचते हो जिनके बॉयफ्रैंड या गर्लफ्रैंड होते हैं? उन विद्यार्थियों के साथ बातचीत करें जिनके बॉयफ्रैंड या गर्लफ्रैंड हैं। क्या वे विद्यार्थी अपने आप को त्यागे हुए समझते हैं जिनका कोई बॉयफ्रैंड या गर्लफ्रैंड न हो? उन्हें क्या करने की अपेक्षा करते हैं? क्या वे अपने बॉयफ्रैंड या गर्लफ्रैंड से शादी करेंगे?

2. क्या आप सुंदर/खूबसूरत हो? आपके विद्यार्थियों के हंसने के बाद, सुंदरता के विषय में परमेश्वर के पैमाने बनाम संसार के पैमाने के बारे में बातें करो। चर्चा करें कि संसार किस बात की खोज में रहता है, और क्या वे बातें परमेश्वर के लिए मायने रखती है कि नहीं। प्रचार करने की कोशिश ने करें, लेकिन उनके साथ सीधे इस निष्कर्ष पर आएं कि परमेश्वर हमारे हृदय को देखता है, और बाहरी स्वरूप को नहीं।

3. अगर किसी को चोट पहुंची हो, तो क्या वे खराब या उपयोगी नहीं रहे? अध्यापकों, वास्तविक सवाल यह है कि ''क्या किसी ने नैतिकता की सीमा का उल्लंघन किया है....'' और हमें पता है कि यह एक मुश्किल सवाल है। सुविधा के लिए हमने विद्यार्थी पुस्तक में से ''नैतिक सीमा का उल्लंघन'' शब्द को हटा दिया है। हालांकि, आप साहसी बनें और अपने विद्यार्थियों के साथ इस विषय पर खुलकर चर्चा करें, अगर आपकी कलीसिया इसकी अनुमति देती है। पूरी दुनिया में, शिकार व्यक्ति को दूसरों के पापों के लिए दोषी ठहराया जाता है। कई जवान लोगों को किसी न किसी तरह से नैतिक शोषण हुआ है। यह एक ऐसा विषय नहीं है जिसे आपके विद्यार्थियों को आवश्यकता नहीं है, लेकिन ऐसा विषय है जिसे वे हर दिन सामना करते हैं! आज की बाइबल कहानी में, यूसुफ को पोतीपर की पत्नी के साथ नैतिक सीमा का उल्लंघन करने के लिए दोषी ठहराया गया, लेकिन उस पर लगाया गया आरोप गलत था। इस बाइबल कहानी को चर्चा शुरू करने के एक तरीके की तरह इस्तेमाल करें और अपने विद्यार्थियों के जीवन को हमेशा के लिए परिवर्तित करें। क्या परमेश्वर ने यूसफ को एक अशुद्ध, खराब और अपवित्र पात्र के रूप में देखा? नहीं! परमेश्वर जानता है कि यूसुफ ने ऐसा नहीं किया था। पोतीपर की पत्नी ने यूसुफ पर हमला किया था। इससे बढ़कर, परमेश्वर हमारे हृदयों को देखता है। अगर किसी और ने आप पर हमला किया है तो आप खराब नहीं होते। वे अशुद्ध होते हैं। आप एक निर्दोष शिकार हो। अगर आप उन्हें माफ कर सकते हो, तो आप एक पूर्ण और बढ़िया जीवन जीने के लिए स्वतंत्र हो जाते हो, और परमेश्वर के सामने बिल्कुल शुद्ध होते हो।

## रिंग के अंदर

इस हफ्ते, आप अपने हृदय की रखवाली करें। यदि आपके विरोध में कुछ किया गया हो, तो याद रखना कि उन्होंने पाप किया है, न कि आपने। हर दिन प्रार्थना में कहें, ''हे परमेश्वर, मैं आपके सामने बिल्कुल शुद्ध हूं।'' अगर आपने किसी के विरोध में कुछ गलत किया है, तो आप जाकर उस व्यक्ति और परमेश्वर से माफी मांगें। तब आप लगातार प्रार्थना कर सकते हो, ''हे परमेश्वर, मैं आपके सामने बिल्कुल शुद्ध हूं।''

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

# बच्चों की सेवकाई संसाधनों के लिए आपका नया सोता:

www.ChildrenAreImportant.com/hindi/

हमारी सामग्री डाउनलोड, उपयोग, मुद्रण और अन्य चर्च और संगठनों मे वितरण के लिए मुफ्त उपलब्ध है।

कोई कॉपीराइट नहीं

जी हां!! तो आईए और जितना ज्यादा आप चाहते हो, उतना प्रिंट करें। यहां तक कि आप इसे बेच भी सकते हैं! और वे हमेशा हमारे वेबसाइट में बिल्कुल मुफ्त उपलब्ध रहेंगे।

क्योंकि मिलकर काम करने के द्वारा हम ज्यादा से ज्यादा बच्चों तक पहुंच सकते हैं!

Teacher 2 Champions
Hindi
20132

www.ChildrenAreImportant.com
info@childrenareimportant.com
We are located in Mexico.
DK Editorial Pro-Visión A.C.

बच्चें महत्वपूर्ण है